ममता ने सनातन को कहा था... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

रकुल प्रीत सिंह ने रिश्ते में... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 54 | गाजियाबाद / गुरूवार 28 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर, फैसले के बाद गरमाई राजनीति

भाजपा ने विपक्ष को घेरा, कांग्रेस पर दुष्प्रचार का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश की राजनीति गरमा गई है। सर्वोच्च अदालत ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की ओर से शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार देते हुए साफ कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराने का पूरा अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की कानूनी खामी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने इसे लोकतंत्र और चुनाव आयोग की जीत बताते हुए कहा कि अदालत के फैसले ने विपक्ष के आरोपों की पोल खोल दी है। वहीं कांग्रेस, टीएमसी और चुनाव विश्लेषकों की ओर से फैसले पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने फैसले में कहा कि केवल इस आधार पर एसआईआर प्रक्रिया को अवैध नहीं ठहराया जा सकता कि यह मतदाता सूची संशोधन की सामान्य प्रक्रिया से अलग है। अदालत ने माना कि

चुनाव आयोग को मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखने के लिए इस तरह की प्रक्रिया चलाने का अधिकार प्राप्त है।

अदालत ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की मूल आत्मा है और इसके लिए मतदाता सूची का सही और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कानून का पूरी तरह पालन किया गया और चुनाव आयोग ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं किया।

योगेंद्र यादव ने जताई चिंता

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सामाजिक कार्यकर्ता और चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह नहीं है कि अदालत ने एसआईआर को संवैधानिक माना है, बल्कि चिंता इस बात की है कि अब यह तय करने की शक्ति कि कौन वोट देगा और कौन नहीं, सत्ता पक्ष के प्रभाव में जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले के बाद चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर नई बहस शुरू होगी।

आधार समेत 11 दस्तावेजों को लेकर अदालत की टिप्पणी

सुनवाई के दौरान अदालत ने उन दस्तावेजों पर भी विचार किया जिन्हें चुनाव आयोग ने सत्यापन प्रक्रिया के लिए स्वीकार किया था। कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को शामिल किए जाने समेत 11 दस्तावेजों को स्वीकार करने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेज मनमाने हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जिन मामलों में आयोग इस बात से संतुष्ट नहीं होगा कि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने की वैधानिक शर्तें पूरी करता है या नहीं, ऐसे मामलों को कानून के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा जाएगा।

टीएमसी ने फैसले का सम्मान किया, लेकिन उठाए सवाल

तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय ने कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करती है क्योंकि अदालत का फैसला ही कानून होता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने कभी एसआईआर प्रक्रिया को अवैध नहीं कहा, बल्कि उसके कथित दुरुपयोग पर सवाल उठाए थे।

सौगत रॉय ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हट गए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भविष्य में भी मतदाता सूची पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाती रहेगी।

भाजपा ने कांग्रेस पर बोला हमला

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला तेज कर दिया। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अदालत के फैसले ने विपक्ष को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को हर चुनावी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने की आदत छोड़ देनी चाहिए। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उसके दुष्प्रचार की हवा निकाल दी।

कांग्रेस अवैध मतदाताओं के साथ : प्रदीप भंडारी

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को कानूनी और संवैधानिक करार देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव आयोग की कार्रवाई संविधान के अनुरूप है।

भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शुरू से ही इस प्रक्रिया का विरोध इसलिए कर रही थी क्योंकि वह अवैध मतदाताओं के साथ खड़ी थी।

चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी निभा रहा : नलिन कोहली

भाजपा के वरिष्ठ नेता नलिन कोहली ने कहा कि चुनाव आयोग समय-समय पर मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखने के लिए विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया चलाता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है और आयोग इसी संवैधानिक जिम्मेदारी को निभा रहा है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विपक्ष चुनाव आयोग पर अनावश्यक सवाल उठाना बंद करेगा।

'सार्थक-पीडीएस' योजना को कैबिनेट की मंजूरी

81 करोड़ गरीबों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचेगा राशन, कालाबाजारी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश के 81.35 करोड़ गरीबों तक समय पर और पूरी मात्रा में राशन पहुंचाने के लिए नई ह्यसार्थक-पीडीएसह्व योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस योजना पर पांच वर्षों में 25,530 करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला लिया गया। सरकार के अनुसार नई डिजिटल व्यवस्था से राशन वितरण अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनेगा। एफसीआई गोदाम से लेकर राशन दुकानों और लाभार्थियों तक पूरी प्रक्रिया की निगरानी एकीकृत सिस्टम से की जाएगी। इससे कालाबाजारी और फर्जी राशन कार्डों पर रोक लगेगी तथा गरीबों को उनका पूरा हक मिल सकेगा।

बांदा में भीषण सड़क हादसे में सेवानिवृत्त शिक्षक समेत पांच लोगों की मौत

बांदा, एजेंसी। जिले के बिसंडा कस्बे में बुधवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में सेवानिवृत्त शिक्षक समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। जानकारी के अनुसार खुरहंड की ओर से मौरंग लेकर आ रहा तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रेलर नहर के पास साइकिल सवार ग्राम घूरी निवासी 61 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक रामेश्वर को कुचलते हुए आगे बढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर को पकड़ने के लिए कस्बावासियों ने बाइक से पीछा किया, लेकिन भागने के प्रयास में ट्रेलर ने नाथू तालाब के पास एक ई-रिक्शा को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार ग्राम कोर्रही निवासी 48 वर्षीय ममता, 45 वर्षीय राकेश, 12 वर्षीय शहबाज और 25 वर्षीय मुबीन की मौत हो गई। वहीं पांच अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी अतर्रा भेजा गया है। घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे सीओ बबेरू कृष्णकांत त्रिपाठी लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

चकराता के जंगलों में भीषण आग, सेब के बाग और छानियां जलकर राख

आग की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर झुलसा, ग्रामीणों में दहशत

उत्तराखंड/विकासनगर। चकराता वन प्रभाग की देवघार रेंज के चीड़ जंगलों में लगी भीषण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया है। मंगलवार को जडसू पाणी के पास सिविल सोयम क्षेत्र से फैली आग आरक्षित वन क्षेत्र तक पहुंच गई, जिससे बड़े पैमाने पर वन संपदा जलकर राख हो गई। आग की चपेट में आने से कूणा और बास्तील पंचायत के खेड़ा रगवाड़, बोराड, चौड़ाधार समेत आसपास के क्षेत्रों में कई ग्रामीण बागवानों के सेब के बगीचे जल गए। वहीं पशुपालक रघुदास, चरणदास और सुनदास की तीन छानियां भी आग में राख हो गईं। जंगल की आग से निजी और सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। उधर सीमावर्ती बंगाण क्षेत्र के देवती गांव में एक आवासीय भवन में देर रात भीषण आग लग गई।

समुद्र के रास्ते ड्रग्स तस्करी की कोशिश नाकाम

मुंद्रा तट पर 1150 करोड़ रुपये की 115 किलो कोकीन जब्त

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के मुंद्रा तट के पास भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने एक बड़े संयुक्त ऑपरेशन में करीब 1,150 करोड़ रुपये मूल्य की 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह कार्रवाई समुद्री रास्ते से हो रही ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मानी जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, यह ऑपरेशन 25 और 26 मई की दरम्यानी रात को चलाया गया। गुजरात एटीएस को समुद्री मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी की विशेष खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर भारतीय तटरक्षक बल के साथ मिलकर कार्रवाई की योजना बनाई गई।

जानकारी के मुताबिक, एटीएस कर्मियों को लेकर भारतीय तटरक्षक बल की इंटरसेप्टर नौकाओं ने मुंद्रा एंकरिज क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान मुंद्रा तट से करीब पांच नॉटिकल

मील दूर खड़े एक कंटेनर जहाज एमवी यूरोप पर संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं।

अंधेरे के दौरान संयुक्त टीम ने देखा कि जहाज से कुछ बैग समुद्र में फेंके जा रहे हैं। इसके तुरंत बाद आईसीजी और एटीएस की टीम मौके पर पहुंची और कम दृश्यता के बावजूद समुद्र से पांच बैग बरामद कर लिए। जब इन बैगों की जांच की गई तो उनमें सफेद रंग का पाउडर मिला। अधिकारियों के मुताबिक, कुल 115 पैकेट बरामद हुए, जिनका वजन लगभग एक-एक किलोग्राम था। शुरूआती जांच में इस पदार्थ की पहचान कोकीन के रूप में हुई। बरामद की गई कुल कोकीन का वजन करीब 115 किलोग्राम बताया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1,150 करोड़ रुपये आंकी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध कंटेनर जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है। फिलहाल भारतीय तटरक्षक बल, गुजरात एटीएस और अन्य एजेंसियां मिलकर पूरे नेटवर्क की जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रग्स की खेप कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया यह 15वां सफल एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन है।

गृह राज्य मंत्री ने भी दी जानकारी

गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि राज्य को ड्रग्स तस्करी का रास्ता नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने लिखा गुजरात एटीएस, इंडियन कोस्ट गार्ड और कच्छ एसओजी ने मिलकर बड़ी कार्रवाई की है। गुजरात ड्रग्स का गेटवे नहीं बनेगा।

'मिडिल ईस्ट में नहीं मिलेगी सुरक्षित पनाह'

मोजताबा खामेनेई की अमेरिका को खुली चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने मंगलवार को अमेरिका को चेतावनी दी है। मोजताबा ने कहा कि अब इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खामेनेई ने 'अमेरिका का नाश हो' और 'इजराइल का नाश हो' के नारों को इस्लामी दुनिया की एकजुटता का प्रतीक बताते हुए इन्हें दुनिया भर के दबे-कुचले लोगों का नारा बनाने की अपील की।

खामेनेई के कार्यालय ने एक्स पर फारसी भाषा में पोस्ट कर कहा, 'समय का पहिया पीछे नहीं घूमता। मिडिल ईस्ट के देश अब अमेरिकी ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगे। अमेरिका को इस क्षेत्र में साजिशें रचने और ठिकाने बनाने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं मिलेगी।' पोस्ट में कट्टरपंथी तेवर दिखाई दिया। नेता ने मुस्लिम जगत से अपील की कि वे चल रहे हज के मौसम को अमेरिका और इजरायल के खिलाफ वैश्विक विरोध का मौका बनाएं।

मोजतबा ने अपने पिता और पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की शहादत का जिक्र करते हुए इसे 'दैवीय पुनरुत्थान' बताया है। अली खामेनेई की हत्या इस साल 28 फरवरी को ईरान में अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में हुई थी।

इस्लामी एकजुटता की अपील

खामेनेई ने सभी इस्लामी देशों से एकजुट होकर 'नई इस्लामी सभ्यता' बनाने की अपील की है। उन्होंने ईरानी तीर्थयात्रियों से कहा कि वे 'तीसरे थोपे गए युद्ध' की जीत की कहानी अन्य मुस्लिम भाई-बहनों को सुनाएं और फिलिस्तीन और अल-अक्सा मस्जिद की मुक्ति साथ ही अमेरिका के खिलाफ अंतिम जीत के लिए प्रार्थना करें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष-विराम को लेकर बातचीत बेहद धीमी गति से चल रही है।

महंगे ईंधन का असर: एअर इंडिया घरेलू उड़ानों में करेगी 22% तक कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों और परिचालन लागत के दबाव के बीच एअर इंडिया ने बड़ा फैसला लेते हुए अपनी घरेलू उड़ानों में 20 से 22 फीसदी तक कटौती करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने कहा है कि यह फैसला अस्थायी तौर पर लिया गया है और मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए उड़ानों की संख्या कम की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, एअर इंडिया इससे पहले अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भी करीब 27 फीसदी तक कमी कर चुकी है। अब घरेलू रूटों पर भी इसका असर दिखाई देगा। कंपनी हर सप्ताह लगभग 4400 उड़ानों का संचालन करती है, जिनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। एअर इंडिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जून से अगस्त 2026 के बीच कुछ अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में पहले से घोषित बदलावों के साथ अब कई घरेलू रूटों पर भी उड़ानों

की संख्या घटाई जाएगी। एयरलाइन के अनुसार, यह कदम बढ़ती लागत और परिचालन दबाव को संतुलित करने के लिए उठाया गया है।

कंपनी ने कहा कि लंबे समय से विमान ईंधन की ऊंची कीमतों का असर एयरलाइन उद्योग पर पड़ रहा है। इससे परिचालन लागत लगातार बढ़ रही है और एयरलाइंस के लिए सेवाओं को पहले की तरह बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

एअर इंडिया ने कहा कि वह यात्रियों की मांग और बाजार की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है। हालात सामान्य होने और लागत में कमी आने पर उड़ानों की संख्या दोबारा बढ़ाई जा सकती है।

भीषण गर्मी से राहत के आसार, उत्तर भारत में 28 मई से आंधी-बारिश का दौर

दिल्ली से लेकर यूपी-बिहार तक बदलेगा मौसम, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में तपती गर्मी और लू से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग के अनुसार 28 मई से देश के कई हिस्सों में मौसम करवट लेगा और प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो जाएंगी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में आंधी, बारिश और कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

राजधानी दिल्ली में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 27 मई को मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन इसके बाद बदलाव देखने को मिलेगा।

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी बदलेगा मौसम

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 28 से 31 मई के बीच आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। कई स्थानों पर तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे तापमान में गिरावट आएगी। राजस्थान में मौसम और अधिक सक्रिय रहने का अनुमान है। यहां 28 से 30 मई तक धूल भरी आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में हवाओं की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है।

28 और 29 मई को दिल्ली में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान आंधी की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है, जिसके चलते येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में 28 से 31 मई के बीच मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

पश्चिमी यूपी और पूर्वांचल के कुछ इलाकों में 28-29 मई को 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। इसके साथ बिजली गिरने का भी खतरा बना रहेगा।

मध्य और पश्चिम भारत में प्री-मानसून गतिविधियां तेज

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी मौसम बदलने वाला है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 28 से 30 मई के बीच गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में प्री-मानसून बारिश का दौर शुरू हो चुका है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है। कोंकण और गोवा में भी लगातार बारिश के आसार हैं।

गुजरात में भी बारिश की संभावना

गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों में जून की शुरूआत में तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम भारत में प्री-मानसून गतिविधियां धीरे-धीरे और मजबूत होंगी।

मुंबई में बकरीद से पहले तनाव बढ़ा, पुलिस बल तैनात

- मीरा रोड की हाउसिंग सोसाइटी में लाई गई बकरियां विरोध प्रदर्शन के बाद हटाई

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के मीरा रोड पर सोमवार और मंगलवार को उस वक्त तनाव बढ़ गया, जब पूनम क्लस्टर हाउसिंग सोसाइटी के सदस्यों ने बकरीद से पहले सोसाइटी के परिसर में बकरियां रखे जाने पर आपत्ति जताई।

सोमवार शाम को बहस के वीडियो वायरल हो गए और रिपोर्टों के अनुसार, बहस के दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। मंगलवार दोपहर को मीरा-भायंदर नगर निगम द्वारा सोसाइटी के परिसर से तीन पिकअप ट्रकों में लगभग 40-50 बकरियों को ले जाया गया। उन्हें नगर निकाय द्वारा आवंटित एक जगह पर ले जाया गया।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अप्रिय घटना

न हो इसके लिए मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस मंगलवार को बड़ी संख्या में मौजूद थी।

स्थानीय लोगों का मानना था कि कुबार्नी अधिकारियों द्वारा आवंटित जगहों पर की जानी चाहिए न कि सोसाइटी के परिसर में। बाद में एक समूह ने सोसाइटी परिसर के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मीरा रोड का दौरा किया और कहा कि सोसाइटी परिसर में कुबार्नी पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और इस उद्देश्य के लिए केवल निर्धारित जगहों का ही उपयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह स्थानीय नगर निगम की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि निर्धारित जगहों का ही उपयोग किया जाए। सोमैया ने मीरा रोड में पिछले महीने हुई उस घटना के बारे में भी बात की, जिसमें कथित तौर पर आरोपी जैब अंसारी द्वारा धार्मिक आधार पर पहचान किए जाने के बाद दो सुरक्षा गार्डों पर चाकू से हमला किया गया था। स्थानीय भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि सभी समुदायों को अपने त्योहार किसी को परेशान किए बिना मनाने चाहिए।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट-यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी-संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह-मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है।

आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा- तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण

मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह-आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफमामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

- प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

-अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी(एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े

बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों-सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स-परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार- मोदी सरकार की प्रायोजित मंहगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि

क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा- वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

-पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने याद दिलाया कि जब

विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

-प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानूसन के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए संयुक्त कार्यवाही करेंगे विभाग, डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रमुख सचिव नगर विकास अनुभाग उत्तर प्रदेश शासन ने गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता को सुधार करने के आदेश दिए हुए है। आदेशों को लेकर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड की उपस्थिति में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहर को धूल मुक्त बनाने और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। साथ ही उपस्थित गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, यूपीसीडा, आवास विकास परिषद के अधिकारियों को कार्य योजना के तहत सड़कों को धूल मुक्त करने और गड्ढा मुक्त करने के लिए अभियान चलाने के लिए कहा। बैठक में विशेष रूप से मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि गाजियाबाद की प्रमुख एंट्री के साथ-साथ प्रमुख सड़क भी व्यवस्थित हो रही है, जिसमें ऐसी सड़क और मार्ग जो गाजियाबाद नगर निगम की नहीं है और उनका रख रखाव आवास विकास परिषद, लोक निर्माण विभाग या अन्य के अंतर्गत आता है, उन सभी पर संयुक्त रूप से कार्य किया जाए। मौके का स्थलीय निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता के साथ

काम करें। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम का सड़कों को धूल मुक्त करने का अभियान निरंतर जारी है, जिसमें उपकरणों के माध्यम से रोड स्वीपिंग का कार्य भी प्रतिदिन कराया जा रहा है। गाजियाबाद नगर निगम की सभी सड़क गड्ढा मुक्त है और एमआरएस मशीन के माध्यम से रोड स्वीपिंग और सड़कों को धूल मुक्त किया जा रहा है। वॉटर स्प्रिंकलर के माध्यम से निरंतर पानी का छिड़काव भी जारी है। इसके अलावा गाजियाबाद नगर निगम समय-समय पर प्रमुख सड़कों पर महा अभियान भी चला रहा है। अन्य विभाग भी इसी प्रकार अपने-अपने क्षेत्र में अपनी अपनी सड़कों पर विशेष रूप से अभियान चलाते हुए धूल मुक्त करने हेतु कार्यवाही करें, जिसमें निगम विशेष सहयोग करेगा।

बिना अनुमति संचालित स्विमिंग पूल पर पुलिस का शिकंजा, संचालक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर/सिम्भावली (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली पुलिस ने ग्राम अनूपुर डिबाई स्थित एक स्विमिंग पूल में नहाते समय युवक के गंभीर रूप से घायल होने तथा बिना अनुमति स्विमिंग पूल संचालित किए जाने के मामले में कार्रवाई करते हुए पूल संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार अपराधों की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस ने थाना सिम्भावली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 119/26, धारा 125 बीएनएस के वांछित आरोपी को ग्राम डिबाई से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जुबैर अहमद पुत्र इस्तेकार निवासी ग्राम डिबाई, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। बताया गया है कि आरोपी पर बिना वैध अनुमति के स्विमिंग पूल संचालित करने का आरोप है। इसी स्विमिंग पूल में मेरठ जनपद के थाना कठौर क्षेत्र निवासी दानिश नहाने के लिए गया था। नहाने के दौरान उसे गंभीर चोट लग गई, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी प्रभावित हुई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल युवक के भाई ने पूल संचालक के खिलाफ लापरवाही एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपों की पुष्टि होने पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार एवं हेड कांस्टेबल हरेंद्र सिंह शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा बिना अनुमति संचालित होने वाली गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कोचिंग सेंटर की छत का लेंटर गिरा, 6 छात्र घायल, मची अफरा-तफरी

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र स्थित एक कोचिंग सेंटर में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कक्षा के दौरान अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर पड़ा। हादसे में छह छात्र घायल हो गए, जबकि दो छात्रों को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद संस्थान में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार लाल बहादुर शास्त्री कम्प्यूटर प्रशिक्षण संस्थान में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित हो रही थीं। इसी दौरान अचानक छत का प्लास्टर और लेंटर का हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। नीचे बैठे छात्र इसकी चपेट में आ गए, जिससे कई छात्र घायल हो गए। हादसे में कस्तला निवासी निशांत सोम और गालंद निवासी अंकित को गंभीर चोटें आईं, जबकि अन्य छात्रों को मामूली चोटें लगीं। घटना के बाद संस्थान संचालक एवं स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों छात्रों को भी छुट्टी दे दी।

हादसे की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग और अभिभावक मौके पर पहुंच गए। अभिभावकों ने भवन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भवन काफी समय से जर्जर अवस्था में था, लेकिन समय रहते उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घटना के बाद छात्रों में भय और दहशत का माहौल है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा भवन की स्थिति का निरीक्षण कराया जा रहा है। थाना प्रभारी अतुल चौहान ने बताया कि छत का प्लास्टर गिरने से छात्र घायल हुए हैं। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। मामले की जांच की जा रही है।

जीडीए का बड़ा एक्शनः डासना और शौर्यपुरम में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, भारी विरोध के बीच निर्माण ध्वस्त

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)।
अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए बसाई जा रही कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सख्त रुख अपना लिया है। बुधवार (27 मई) को जीडीए उपाध्यक्ष के कड़े निदेर्शों के बाद प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग और निर्माण को जमींदोज कर दिया। इस दौरान कॉलोनाइजरों ने भारी हंगामा और विरोध किया, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उनकी एक न चली और अवैध रूप से बनाई गई सड़कें, बाउंड्रीवॉल व साइट ऑफिस ढहा दिए गए।

नाले की जमीन और स्कूल के लिए आरक्षित जगह पर कट रहे थे प्लॉट

प्रवर्तन जोन-5 के प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले डासना गांव के उस्मान गढ़ी में खसरा नंबर-3823 (मि.) पर कार्रवाई की। यहां दिनेश कुमार, राकेश कुमार और लोकेश कुमार (पुत्र बनवारी लाल) द्वारा गंदे नाले की लगभग 3000 वर्ग मीटर जमीन पर कच्ची सड़क बनाकर अवैध रूप से कॉलोनी काटी जा रही थी।

इसके बाद टीम का बुलडोजर शौर्यपुरम जयपुरिया पहुंचा। यहां अनिल जैन द्वारा लगभग 4000 वर्ग मीटर भूखंड पर अवैध रूप से प्लॉट काटे जा रहे थे। यह जमीन प्राधिकरण की स्वीकृत डीपीआर में स्कूल/कॉलेज के लिए आरक्षित थी। इसके अलावा, शौर्यपुरम (शाहपुर बम्हैटा)

में भी अनिल जैन द्वारा करीब 1000 वर्ग मीटर के दायरे में स्वीकृत डीपीआर में दर्शाई गई सड़क पर ही आरसीसी के कॉलम खड़े कर लिए गए थे।

कोई स्वीकृत नक्शा नहीं दिखा पाए निर्माणकर्ता

जीडीए अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान निर्माणकर्ता मौके पर कोई भी स्वीकृत तलपट मानचित्र (लेआउट प्लान) नहीं दिखा सके। ध्वस्तीकरण की इस पूरी कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-5 के सहायक अभियंता, अवर अभियंता और समस्त स्टाफ के साथ-साथ प्राधिकरण का पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिसके चलते अवैध कॉलोनाइजरों का विरोध बेअसर साबित हुआ और निर्माण पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर किसान सभा का प्रदर्शन, रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराने की मांग

मुरादनगर (शिखर समाचार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भाकियू किसान सभा के कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग उठाई। कार्यकताओं ने रेबीज वैक्सीन सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की कमी को लेकर केंद्र प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। किसान सभा के संरक्षक सतेंद्र त्यागी ने केंद्र प्रभारी डॉ. भारतभूषण को बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। भीषण गर्मी के चलते मरीजों और उनके तीमारदारों को लंबी कतारों में खड़े होकर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेबीज समेत अन्य जरूरी टीके लंबे समय से उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में आपात स्थिति में मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। किसान सभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने तथा आवश्यक वैक्सीन उपलब्ध कराने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। केंद्र प्रभारी डॉ. भारतभूषण ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान हैप्पी त्यागी, रोहित त्यागी, आकाश त्यागी, रोहित चौधरी, हरिओम त्यागी, अमरीश त्यागी, गौरव कुमार, बिट्टू त्यागी, सैंकी त्यागी, बृजभूषण, नरेंद्र त्यागी, गोलू त्यागी, सुनील त्यागी, गौरव चौधरी और राजन यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकताओं ने दी श्रद्धांजलि

शामली (शिखर समाचार)। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने बुधवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न Jawaharlal Nehru की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन चरित्र एवं देश निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया गया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश शर्मा के कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं ने महान स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि देश में नवरत्न कंपनियों की स्थापना से लेकर भाखड़ा बांध जैसी बड़ी परियोजनाओं के निर्माण में पंडित जवाहरलाल नेहरू का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए।

वैभव गर्ग ने कहा कि देश के अधिकांश उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना भी नेहरू के कार्यकाल में हुई, जिसने देश को नई दिशा देने का कार्य किया। आज भी लोग उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हैं, लेकिन केंद्र सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में वैभव गर्ग, बाबूखान, प्रवीण तरार, ओमवीर उपाध्याय, विनोद अत्री, शेखरपाल, बिजेंद्रपाल वर्मा, सोहिल धीमान, चौधरी सोमदेव तोमर, डॉ. श्रीपाल सिंह, मास्टर नरेंद्र सिंह, सागर खंडेलवाल, रविंद्र आर्य और पंडित ज्योति प्रसाद सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव में झूमे श्रद्धालु, नंद उत्सव की रही धूम

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समिति के तत्वाधान में विजय मंडी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास मुकेश कुमार शास्त्री ने श्री गंगा अवतार, भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं और उनके पवित्र जल से पूर्वजों का उद्धार हुआ। इसके उपरांत भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव, प्रभु श्री राम की मयार्दा एवं धर्म पालन की प्रेरणादायक कथा का वर्णन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग के दौरान कथा व्यास ने बताया कि मथुरा के राजा उग्रसेन के पुत्र कंस का अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा था। कंस ने अपनी चचेरी बहन देवकी का विवाह बहुत धूमधाम से वसुदेव के साथ कराया। परंतु देवकी के आठवें पुत्र द्वारा कंस के वध की भविष्यवाणी से भयभीत होकर कंस ने वासुदेव और देवकी को कारागृह में डाल दिया और देवकी की संतानों का वध करना प्रारंभ कर दिया। इसी अत्याचार से पृथ्वी को मुक्त कराने के लिए भगवान श्रीहरि ने श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया। उन्होंने बताया कि आधी रात के समय कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का दिव्य प्राकट्य हुआ। उसी समय वसुदेव जी बालक श्रीकृष्ण को यमुना पार गोकुल में नंद बाबा और माता यशोदा के यहां छोड़ आए। कथा के दौरान ह्लनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्व के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा का सम्मान, सोसाइटी ने भेंट की डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा

हापुड़ (शिखर समाचार)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सोशल वेलफेयर सोसाइटी उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद की मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी की ओर से उन्हें भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

नगर पालिका परिषद हापुड़ के ब्रांड एंबेसडर एवं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सोशल वेलफेयर सोसाइटी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन मोहम्मद दानिश कुरैशी ने बताया कि श्रुति शर्मा वर्ष 2021 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने प्रशासनिक कार्यकाल में विभिन्न पदों पर रहते हुए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि देवरिया में संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम के रूप में कार्य करते हुए श्रुति शर्मा ने जनहित से जुड़े अनेक प्रभावी कार्य किए, जिनकी सराहना आज भी स्थानीय लोग करते हैं। उनके अनुसार जनपद हापुड़ के लिए यह गौरव की बात है कि यहां एक प्रतिभाशाली एवं शीर्ष रैंक प्राप्त आईएएस अधिकारी प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं।

सम्मान समारोह के दौरान सोसाइटी पदाधिकारियों ने उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए जनहित और विकास कार्यों में निरंतर योगदान की सराहना की तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बकरीद को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च, प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी न करने की अपील

मुरादनगर (शिखर समाचार)। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा पुलिस बल के जवानों के साथ नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च मेन रोड, मुख्य बाजार, रावली रोड सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान थानाध्यक्ष अंकित कुमार ने कहा कि बकरीद पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द बनाए रखते हुए शासन-प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी किसी भी स्थिति में न करें तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं, किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सरस्वती शिशु मंदिर में पांच दिवसीय समर कैंप का रंगारंग समापन, बच्चों ने दिखाया हुनर

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर जाटान में आयोजित पांच दिवसीय समर कैंप का रंगारंग समापन समारोह उत्साह और उल्लास के बीच संपन्न हुआ। समापन अवसर पर बच्चों ने पांच दिनों में सीखी गई विभिन्न गतिविधियों और कौशलों का आकर्षक प्रदर्शन कर सभी उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने योग शिक्षिका शैली शर्मा के निर्देशन में विभिन्न योगासन प्रस्तुत किए तथा योग प्रश्नोत्तरी में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। वहीं ताइक्वांडो शिक्षिकाएं अतिक्षा और आरना के मार्गदर्शन में बच्चों ने आत्मरक्षा के प्रभावशाली स्टेप्स का प्रदर्शन किया। महिमा भटनागर के निर्देशन में बच्चों द्वारा तैयार की गई सुंदर क्राफ्ट सामग्री की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके साथ ही आचार्या पूनम के निर्देशन में जल संरक्षण विषय पर आधारित भावपूर्ण नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। समर कैंप में करीब 60 छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में नगर संघचालक विकास लाटियान, नगर कार्यवाह दीपक चौहान, प्रधानाचार्य राजीव वर्मा, छवि कौशल, कामेश्वरी देवी तथा ललिता चौहान ने बच्चों को आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रबंध समिति के सदस्य डॉ. अजय राणा, राजीव अग्रवाल, डॉ. सुमित बिश्नोई तथा विद्या भारती के पूर्व छात्र पीयूष मित्तल, कृष्ण मोहन, रितेश भटनागर, पंकज बिश्नोई और अमित चौधरी ने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन पूर्व छात्र रितेश भटनागर ने किया।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गणनाकर्ता सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ में संचालित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान गणना कार्य में उत्कृष्ट एवं समयबद्ध कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किए जाने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। तहसील हापुड़ क्षेत्र के अंतर्गत सर्किल संख्या-33 के सुपरवाइजर राजेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके कार्यक्षेत्र के एचएलबी-60 में कुल अनुमानित 129 जनगणना मकानों का कार्य नियुक्त गणनाकर्ता नौशाद अली, सहायक अध्यापक, जगपाल सिंह स्मारक हायर सेकेंडरी स्कूल, निजामपुर द्वारा दिनांक 23 मई 2026 को सर्वप्रथम पूर्ण कर लिया गया।

उक्त सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य को दृष्टिगत रखते हुए तहसील प्रशासन द्वारा संबंधित गणनाकर्ता को सम्मानित किए जाने हेतु संस्तुति प्रेषित की गई थी। जनगणना 2027 जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर जिलाधिकारी हापुड़ कविता मीना द्वारा नौशाद अली को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य में लगे समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इसी प्रकार निष्ठा, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। प्रशासन की ओर से सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे जनगणना 2027 अभियान में लगे प्रगणकों को सहयोग प्रदान करें तथा जनगणना से संबंधित पूछे जाने वाले प्रश्नों का सही उत्तर देकर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

ईद उल अजहा : सफाई व्यवस्था को पुख्ता करने में जुटा गाजियाबाद नगर निगम, नगर आयुक्त ने की वर्चुअल बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने ईद उल अजहा की तैयारी को लेकर सभी विभाग के अधिकारियों और टीम से वर्चुअल बैठक की। बैठक में सफाई व्यवस्था पर विशेष बल दिया गया। विशेष रूप से 15 बिंदुओं पर तत्काल कार्य कराए गए, जिसमें मुस्लिम वार्ड में प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था, सड़क मरम्मत की व्यवस्था, अवशेष उठाने वाली गाड़ियों की व्यवस्था, मस्जिदों एवं ईदगाह पर विशेष रूप से सफाई मित्र के उपस्थित रहने के लिए भी निर्देश दिए गए। केला भट्टा, डासना गेट, नंदग्राम, पसौंडा, अर्थला व अन्य मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मस्जिदों के बाहर और आसपास पानी का छिड़काव का कार्य कराया गया। शहीद नगर में निर्माण विभाग ने सड़क मरम्मत का कार्य कराया। मस्जिद एवं ईदगाह को जाने वाले मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य किया गया। लगातार व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वर्चुअल बैठक के माध्यम से नगर आयुक्त ने सभी विभाग के अधिकारियों को त्यौहार के समय अलर्ट रहने के निर्देश दिए। त्योहारों पर गाजियाबाद नगर निगम की जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है, जिसको गुणवत्ता के साथ पूरा करने

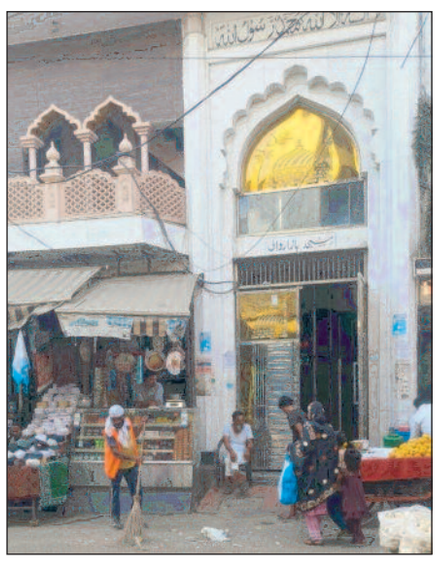

के निर्देश दिए गए। बैठक में समस्त अपर नगर आयुक्त, समस्त जोनल प्रभारी, समस्त विभागों से संबंधित अधिकारी व टीम उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धार्मिक स्थल पर चोरी की शिकायत करना युवक को पड़ा भारी, चाचा समेत मारपीट में घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। जगतपुरी कॉलोनी में धार्मिक स्थल पर चोरी की शिकायत करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि शिकायत से नाराज लोगों ने युवक और उसके चाचा के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। बताया गया है कि जगतपुरी कॉलोनी में एक युवक धार्मिक स्थल पर चोरी कर रहा था, जिसे वहीं निवासी संदीप ने देख लिया। संदीप ने चोरी की जानकारी आरोपी के परिजनों को दी तो वे आगबबूला हो गए और संदीप के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी दौरान संदीप को बचाने पहुंचे उसके चाचा राजेश के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। घटना के बाद दोनों घायलों को उपचार दिलाया गया। संदीप की मां पूजा का आरोप है कि पुलिस ने मामले में मामूली धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है, जबकि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीकरी रोड रेलवे फाटक के पास सड़क पर मांस के टुकड़े मिलने से हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। सीकरी रोड रेलवे फाटक के पास बुधवार सुबह सड़क पर मांस के टुकड़े मिलने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही हिंदू संगठन से जुड़े लोग मौके पर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार सुबह जब लोग इस मार्ग से गुजर रहे थे, तब सीकरी रेलवे फाटक और विश्वकर्मा बस्ती के पास सड़क पर मांस के कुछ टुकड़े पड़े दिखाई दिए। घटना की सूचना मिलते ही हिंदू संगठन से जुड़े नीरज शर्मा अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि प्रसिद्ध एवं पौराणिक महामाया देवी मंदिर इसी मार्ग पर स्थित है तथा कुछ असामाजिक तत्वों ने माहौल खराब करने की नीयत से यहां मांस के टुकड़े फेंके हैं। उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क पर पड़े मांस के टुकड़ों को पॉलिथीन में एकत्र कर अपने कब्जे में लिया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को जांच और कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। इस संबंध में एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। एकत्र की गई सामग्री को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मां की डांट से आहत युवक ने उठाया खौफनाक कदम, फांसी लगाकर दी जान

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र के गांव सिरोधन में एक युवक ने मामूली बात को लेकर मां से हुई कहासुनी के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव सिरोधन निवासी फाहद (18 वर्ष) की बुधवार सुबह किसी बात को लेकर अपनी मां से कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान मां ने उसे डांट दिया। बताया जा रहा है कि युवक इस बात से बेहद आहत हो गया और कुछ समय बाद उसने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि युवक की मौत के संबंध में आवश्यक जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कबाड़ के गोदाम में भड़की भीषण आग, लाखों का सामान राख

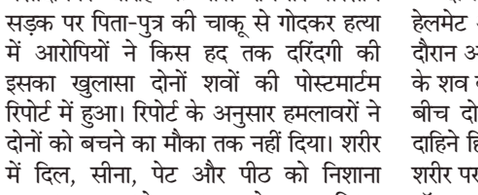

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में देर रात एक कबाड़ के गोदाम में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई, जिससे लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया। आग की ऊंची-ऊंची लपटों से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार गांव असौड़ा निवासी इब्राहिम का मैरिज होम के पीछे कबाड़ का गोदाम है, जिसमें प्लास्टिक, लोहा, कारों के पुराने पुर्जे, बोतलें तथा अन्य कबाड़ का सामान बड़ी मात्रा में रखा हुआ था। बुधवार देर रात अचानक गोदाम में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने घंटों तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो चुका था। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

अस्सी से तुलसी घाट तक टीले जैसी मिट्टी और मलबे

जहां स्नान वहीं बदबू, 1.21 मिलीग्राम अमोनियम

वाराणसी , एजेंसी। बीएचयू के वैज्ञानिकों और रिसर्च लैब ने भी माना है कि गंगा में गंदगी से निजात अभी नहीं मिलने वाली। अस्सी घाट पर गंगा दशहरा के सजे मंच से लेकर तुलसी घाट तक दिख जाएगा। मगर वहां तक गंदगी भी दिखेगी।

पड़ताल में सामने आया कि अस्सी से तुलसी घाट के किनारे फूल-माला व निर्माल्य फेंके हुए हैं। बीच-बीच में मिट्टी के टीले, कूड़ों के ढेर और मलबा पटा हुआ है। बीच-बीच में छोटी नालियों से गंदे पानी के साथ प्लास्टिक भी बह रहा था। तुलसी घाट पर जहां लोग स्नान कर रहे थे, वहीं पेशाब की बदबू और कई तरह की गंदगियों का अंबार लगा था।

बीएचयू के पर्यावरणविद और वैज्ञानिक रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. कृपा राम की ओर से किए गए शोध में सामने आया है कि सीवेज के नमूनों और नालियों में बाइकार्बोनेट, सल्फेट, नाइट्रेट और फॉस्फेट आयनों की मात्रा काफी ज्यादा पाई गई है।

नदी में प्रदूषकों का स्तर बढ़ गया। वहीं, हानिकारक अमोनियम आयन (1.21 मिलीग्राम/लीटर) सिर्फ सीवेज में ही पाया गया है। जबकि सल्फेट, नाइट्रेट और फॉस्फेट आयनों के उच्च स्तर के चलते नदी में शैवाल बढ़ रहे हैं पानी की गुणवत्ता खराब हो रही है। अध्ययनों से पता चला है कि बढ़ते शहरीकरण और बिना ट्रीट किए हुए सीवेज और नालियों के सीधे गंगा में मिलने से सबसे ज्यादा प्रदूषण बढ़ा है।

गंगा की बीओडी 4, वरुणा में 56 मिलीग्राम प्रति लीटर : गंगा के पानी का बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) तीन के आसपास संतुलित होता है। इस महीने में अस्सी घाट के आसपास गंगा का बीओडी चार मिलीग्राम प्रति लीटर पाया गया है। जबकि राजेंद्र प्रसाद घाट पर बीओडी 3.6 मिलीग्राम प्रति लीटर है। वहीं, वरुणा नदी में 56 मिलीग्राम प्रति लीटर है। गंगा में डीओ यानी कि डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन की मात्रा 7 मिलीग्राम प्रति लीटर है। वरुणा नदी में 1.6 मिलीग्राम प्रति लीटर है। गंगा का तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा है।

आईआईटी में फ्रांस और डेनमार्क की तकनीक से सफाई : आईआईटी बीएचयू में फ्रांस और डेनमार्क की तकनीक से गंगा लैब और एसएलआर स्मार्ट लैबोटरी ऑन क्लीन रिवर के कुल चार प्रोजेक्ट चल रहे हैं। 2026 में दो खत्म होंगे और बाकी 2027 तक चलेंगे। अस्सी में वाटर ट्रीटमेंट का प्रोजेक्ट पूरा हो गया है। इसके चलते गंगा में सीधे पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। आईआईटी के वैज्ञानिकों का मानना है कि इन प्रोजेक्ट के चलते गंगा की स्वच्छता में काफी सुधार आया है।

40 साल में सफाई के नाम पर 4500 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी काशी की गंगा में रोज पांच करोड़ लीटर गंदा पानी जा रहा है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, 542 के मुकाबले 492 एमएलडी गंदे पानी का शोधन एसटीपी के माध्यम से हो रहा है।

जल निगम और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अनुसार वर्ष 2017 तक वाराणसी में एसटीपी की शोधन क्षमता मात्र 100 एमएलडी थी जो कि वर्तमान में 492 एमएलडी हो गई है। क्षमता वृद्धि से पानी की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। वरुणा, असि और गोमती को प्रदूषण मुक्त किया जा रहा है। 2014 में शुरू किए गए नमामि गंगे कार्यक्रम में जिले में 200 एमएलडी क्षमता के एसटीपी स्थापित हुए हैं।

जेएनएनयूआरएम के तहत 120 एमएलडी क्षमता का एसटीपी गोइठहां में संचालित है। वर्ष 2022 के पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वाराणसी में गंगा नदी को प्राथमिकता खंड फोर में रखा था। इसे अब हटाकर प्राथमिकता खंड फाइव में कर दिया है। प्राथमिकता खंड फोर में बीओडी की मात्रा 6-10 पीपीएम होती है।

बकरीद को लेकर फुगाना पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति और भाईचारे की अपील

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से फुगाना पुलिस ने बुधवार को क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च के दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी गई। फुगाना थानाध्यक्ष जयवीर सिंह के नेतृत्व में लोई, सराय सहित विभिन्न गांवों में पुलिस बल ने पैदल मार्च किया। यह फ्लैग मार्च प्रमुख बाजारों, चौराहों और संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। पुलिस की मौजूदगी से क्षेत्रवासियों में सुरक्षा का भाव देखने को मिला।

थानाध्यक्ष जयवीर सिंह ने ग्रामीणों से बकरीद का त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही अफवाह फैलाने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजे जय श्रीकृष्ण के उद्घोष, रुक्मणी विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भाव विभोर

शामली (शिखर समाचार)

श्री नारायण कुटुम्ब ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के छठे दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की अद्भुत लीलाओं एवं दिव्य चरित्रों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

शहर स्थित हनुमान धाम में कथा वाचन करते हुए आचार्य चंचल शर्मा ने कहा कि भगवान की प्रत्येक लीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, प्रेम और मयार्दा का संदेश देने वाली है। उन्होंने कहा कि जब जीव अपने अहंकार का त्याग कर प्रभु के चरणों में समर्पित हो जाता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक आनंद और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

छठे दिन की कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध का ओजस्वी प्रसंग सुनाया गया। आचार्य ने बताया कि भगवान ने अत्याचार, अहंकार और अधर्म का अंत कर धर्म की पुनः स्थापना की। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न मधुर लीलाओं का वर्णन किया गया। बाल स्वरूप से लेकर योगेश्वर रूप तक भगवान की करुणा, सरलता और भक्तवत्सलता ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कथा का मुख्य आकर्षण श्री रुक्मणी विवाह प्रसंग रहा। आचार्य चंचल शर्मा ने मार्मिक शैली में बताया कि सच्चा प्रेम वही है जिसमें पूर्ण समर्पण और अटूट विश्वास हो। रुक्मणी का भगवान श्रीकृष्ण के प्रति निष्कलंक प्रेम एवं प्रभु द्वारा उनका हरण कर दिव्य विवाह संपन्न करना भक्तों को भक्ति और समर्पण का संदेश देता है।

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस का शुभारंभ पूर्व आईजी विजय गर्ग द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. अर्जुन वर्मा, अनुज जैन, अनिल बंसल, डॉ. राजीव बंसल, मनीष भटनागर, अनुराग जैन, अमित गुप्ता एवं देवांश बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आगरा-मथुरा के लिए भी बुलेट ट्रेन, 350 किमी प्रतिघंटा होगी रफ्तार, यहां बनाए जाएंगे स्टेशन

आगरा , एजेंसी। आगरा में एत्मादपुर मदरा और मथुरा में इटौली गांव के पास बुलेट ट्रेन के स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं। इन जगहों पर इलाके को विकसित कर राजस्व जुटाने की योजना में जमीन की तलाश भी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने शुरू कर दी है।

यमुना प्राधिकरण के पांच में से तीन अर्बन सेंटर्स यानी औद्योगिक टाउनशिप को बुलेट ट्रेन आपस में जोड़ेगी। दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट में मथुरा में राया अर्बन सेंटर के पास इटौली गांव और आगरा अर्बन सेंटर के पास एत्मादपुर मदरा गांव के पास में बुलेट ट्रेन के स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इन जगहों पर इलाके को विकसित कर राजस्व जुटाने की योजना में जमीन की तलाश भी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने शुरू कर दी है।

सोमवार को एनएचएसआरसीएल के कंसल्टेंट नाइट फ्रेंक के प्रतिनिधि ने रूट अलाइनमेंट और स्टेशनों की लोकेशन को लेकर यमुना प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उन्हें राया अर्बन सेंटर और आगरा अर्बन सेंटर दोनों जगह करीब 250 एकड़ या अधिक जमीन चाहिए। इस जमीन पर आवासीय व कामर्शियल उपयोग के निर्माण किए जाएंगे।

यह बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अतिरिक्त राजस्व आय का भी माध्यम बनेगा। जहां भी स्टेशन आएंगे, उसके आसपास भी विकास हो सकेगा। इसको लेकर आगरा विकास प्राधिकरण से कंसल्टेंट कंपनी ने संपर्क किया है। आगरा अर्बन सेंटर को पहले ही इनर रिंग रोड इस बुलेट ट्रेन के स्टेशन से जोड़ेगी। यह स्टेशन आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की एंट्री के पास प्रस्तावित किया गया है।

जल्दी ही होगा यमुना प्राधिकरण में प्रजेंटेशन

कंपनी ने यमुना प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह के लिए एक प्रजेंटेशन भी इस परियोजना के बारे में जानकारी देने के लिए समय मांगा है। एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने कहा कि कंपनी से पूरी योजना पहले साझा करने के लिए कहा गया है जिससे प्रजेंटेशन का समय तय किया जा सके।

बुलेट ट्रेन परियोजना: फैक्ट फाइल

- 865 किमी तक लंबा होगा दिल्ली-वाराणसी कारीडोर
- 1-1 स्टेशन आगरा और मथुरा जनपद में रहेगा
- 2.30 लाख करोड़ रुपये परियोजना पर होगा खर्च
- 350 किमी प्रतिघंटा तक हो सकती ट्रेन की स्पीड

परिवार, संस्कार और कर्म जीवन की सच्ची पूंजी : आचार्य विनिश्चय सागर मुनिराज

शामली (शिखर समाचार)। दिगम्बर जैन धर्मशाला में विराजमान आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर मुनिराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में परिवार, संस्कार और कर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। परिवार केवल संबंधों का समूह नहीं, बल्कि जीवन की पहली पाठशाला है, जहां व्यक्ति प्रेम, सहयोग, अनुशासन और सदाचार की शिक्षा प्राप्त करता है।

उन्होंने कहा कि परिवार से मिलने वाले संस्कार ही व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं और उसे सही दिशा प्रदान करते हैं। अच्छे संबंध और सकारात्मक सोच जीवन को सुखद एवं सार्थक बनाते हैं। जैन दर्शन में कर्म सिद्धांत को विशेष महत्व दिया गया है। मनुष्य जो भी कर्म करता है, उसका फल उसे स्वयं ही भोगना पड़ता है। माता-पिता, परिवार और मित्र सुख-दुख में साथ दे सकते हैं, लेकिन कर्मों के फल के भागीदार नहीं बन सकते।

उन्होंने कहा कि अच्छे कर्म व्यक्ति को सुख, शांति और सम्मान प्रदान करते हैं, जबकि गलत कर्म दुख और कष्ट का कारण बनते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों और आचरण को शुद्ध रखने का प्रयास करना चाहिए।

आचार्य श्री ने कहा कि कई बार मनुष्य अज्ञान और आकर्षण के कारण गलत बातों को भी उचित समझने लगता है, लेकिन जब ज्ञान और समझ का प्रकाश मिलता है तो सही और गलत का अंतर स्पष्ट हो जाता है।

उन्होंने बताया कि आगामी 31 मई रविवार को जैन धर्मशाला में प्रातः 6 बजे से एक दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान की स्थापना होगी, जिसमें 108 जोड़ों के बैठने का निर्णय लिया गया है।

'चाकू से गोदा, सीना छलनी किया', पिता-पुत्र के शरीर पर 11 गहरे जख्म

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में यशोदानगर चौराहे के पास रविवार सरेशाम सड़क पर पिता-पुत्र की चाकू से गोदकर हत्या में आरोपियों ने किस हद तक दरिंदगी की इसका खुलासा दोनों शवों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। रिपोर्ट के अनुसार हमलावरों ने दोनों को बचने का मौका तक नहीं दिया। शरीर में दिल, सीना, पेट और पीठ को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए। अत्यधिक रक्तस्राव, गहरे जख्मों और सदमे की वजह से दोनों की मौत हो गई।

रामनगर सजारी निवासी पिता शिवनारायण त्रिवेदी (64) और बेटे शिवम (26) के शवों का सोमवार को पोस्टमार्टम किया गया। डॉक्टर के अनुसार शिवम पर सबसे ज्यादा हमले किए गए। हत्यारोपियों ने उसके बाईं ओर दिल में लगातार तीन बार चाकू घोंपा। इसके अलावा बाईं तरफ की कोख में दो और पीठ पर दो वार किए। शिवम के शरीर पर कुल सात गहरे चाकू के घाव मिले। आंख, सिर, हाथ और पैरों पर भी चोटों के निशान मिले हैं।

दोनों के शरीर पर मिले गहरे घाव: वो हेलमेट और अन्य भारी वस्तु से पीटे जाने के दौरान आए बताए जा रहे हैं। वहीं, शिवनारायण के शव की पीएम रिपोर्ट में उनके सीने के ठीक बीच दो चाकू घाव मिले। पेट और पीठ के दाहिने हिस्से में एक-एक वार मिला। बुजुर्ग के शरीर पर कुल चार गहरे चाकू के घाव मिले हैं। डॉक्टर के मुताबिक दोनों के शरीर पर मिले घाव तीन सेंटीमीटर से लेकर छह सेंटीमीटर तक गहरे थे। दोनों के अत्यधिक रक्तस्त्राव, सदमे, गहरे जख्मों के कारण मौत की पुष्टि हुई है।

गांव से लेकर इलाके के लोग पहुंचे : दोहरे हत्याकांड की खबर के बाद सोमवार को गांव सिकठिया, रामनगर सजारी और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश दिखाई दिया। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। सुबह से लेकर शवों के घर रवाना होने तक पुलिस मौके पर तैनात रही। परिजन इसके बाद 1:30 शव लेकर पहले घर फिर गांव के लिए रवाना हो गए जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पिता-पुत्र के तीन हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार : पिता-पुत्र की चाकू मारकर हत्या करने के सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल से एक आरोपी को राहगीरों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा था, जबकि अन्य दो आरोपियों और एक मददगार को पुलिस ने सोमवार तड़के आवास विकास हंसपुरम इलाके में हुई मुठभेड़ में धर दबोचा। पुलिस की गोली पिता-पुत्र पर चाकू से वार करने के आरोपी सिमरा गांव निवासी करन वर्मा के दोनों पैर में गोली लगी है।

दूसरी दिशा से आ रही बाइक से टकरा गई

सभी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार चकेरी थानाक्षेत्र की कांशीराम कालोनी निवासी शिवनारायण तिवारी बेटों शिवम और सत्यम के साथ किदवईनगर स्थित मार्बल शॉप में नौकरी करते थे। रविवार रात काम खत्म कर शिवनारायण दोनों बेटों के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। विराट नगर चौकी के करीब वृंदावन गेस्ट हाउस के पास उनकी बाइक दूसरी दिशा से आ रही बाइक से टकरा गई।

कमर से चाकू निकालकर घोंप दी : इस बाइक पर सिमरा गांव का रहने वाला करन, उत्सव अवस्थी और श्यामनगर निवासी शिवा वर्मा सवार थे। बाइक टकराने से करन और उसके साथी भड़क गए। उन लोगों ने पिता - पुत्रों को पहले हेलमेट से मारा। इसके बाद करन ने कमर से चाकू निकालकर पिता-पुत्र के चेहरे,सीने और पीठ पर घोंप दी। इससे शिवनारायण और बेटे शिवम की मौके पर मौत हो गई, जबकि सत्यम घायल हो गया।

भीड़ ने एक आरोपी शिवा वर्मा को पकड़ा : मौके पर जुटी भीड़ ने एक आरोपी शिवा वर्मा को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था, जबकि करण वर्मा और उत्सव मौके से पैदल भाग निकले थे। अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि सोमवार तड़के करीब साढ़े चार बजे सूचना मिली कि आरोपी बंबा मार्ग से हमीरपुर रोड की ओर भागने की कोशिश कर रहे हैं। घेराबंदी के दौरान पुलिस को देखकर आरोपी करन और उसकी मदद कर रहे समीर ने भागने का प्रयास किया।

घायल सत्यम की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई : करन ने तमंचे से पुलिस पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दोनों पैर में लगी। इसके बाद समीर को भी दौड़ा कर पकड़ लिया गया। इन दोनों ने घटना में शामिल तीसरे आरोपी उत्सव के बारे में बताया। जो वहीं से कुछ दूरी पर छिपा था। इसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

जनगणना-2027 में निजी स्कूल शिक्षकों के हटने से आई कर्मियों की कमी, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने खुद संभाली कमान

नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 का कार्य पूरे प्रदेश में शुरू हो चुका है। जनगणना की तैयारियों के तहत नोएडा प्राधिकरण द्वारा 2300 प्रगणकों और 335 सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया गया था। हालांकि जनगणना कार्य शुरू होने से ठीक पहले निजी स्कूलों द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर किए जाने के बाद निजी विद्यालयों के शिक्षकों ने स्वयं को जनगणना कार्य से अलग कर लिया। इसके चलते लगभग 800 कर्मियों की कमी उत्पन्न हो गई।

कर्मचारियों की कमी को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने अपने विभिन्न विभागों के महाप्रबंधकों, वरिष्ठ प्रबंधकों और अन्य अधिकारियों को जनगणना कार्य में लगाया। इसी क्रम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने स्वयं फील्ड में पहुंचकर सेक्टर-120 स्थित अम्रपाली जोडियक सोसाइटी तथा सेक्टर-117 और 119 की विभिन्न सोसाइटियों में चल रहे जनगणना कार्य का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों और सोसाइटी प्रबंधन से जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील की। सोसाइटी निवासियों ने भी सकारात्मक सहयोग देते हुए अपने स्तर पर कर्मचारियों की व्यवस्था कर प्रगणकों की कमी को पूरा करने में योगदान दिया।

वहीं विशेष कार्याधिकारी (भारसाधन) इंदु प्रकाश सिंह को सेक्टर-75 की विभिन्न सोसाइटियों में भेजकर जनगणना कार्य की निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिकारियों के अनुसार सोसाइटी निवासियों और प्राधिकरण के संयुक्त प्रयासों से जनगणना कार्य अब गति पकड़ चुका है तथा अगले दो दिनों में कर्मचारियों की कमी को पूरी तरह दूर कर लिया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण का कहना है कि जनगणना-2027 को समयबद्ध और सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है।

बीएसए कार्यालय में गंदगी पर डीएम सख्त, सहायक लेखाकार को लगाई फटकार

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव ने बुधवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में संतोषजनक साफ-सफाई न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने दिव्यांगजनों के लिए बनाए गए रैंप का निरीक्षण कर उसे अधिक सुविधाजनक ढंग से तैयार कराने के निर्देश दिए। वहीं यू-डायस पोर्टल की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को पोर्टल को नियमित रूप से अपडेट रखने के निर्देश दिए गए। कार्यालय के विभिन्न पटलों की जानकारी लेते समय सहायक लेखाकार गोविंद द्वारा संतोषजनक जवाब न देने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई। इसके अलावा एमडीएम पत्रावली, डाक रजिस्टर और डिस्पैच रजिस्टर का निरीक्षण करते हुए ई-मेल से प्राप्त होने वाले पत्रों को भी डाक रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्टोर रूम में पड़े खराब सामान के नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की स्थिति की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि जनपद

के चार ब्लॉकों में विद्यालय संचालित हैं, जबकि थानाभवन ब्लॉक में नया विद्यालय प्रस्तावित है। इस पर जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। खंड शिक्षा अधिकारियों से ब्लॉकवार नामांकन की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही जिलाधिकारी ने अकाउंट ऑफिसर का कार्यालय भी मुख्य भवन में स्थानांतरित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निरीक्षण में दिए गए निदेशों के पालन में किसी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान लता राठौर समेत विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद

पहली बार बिग क्रिकेट लीग की मेजबानी करेगा ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। पहली बार बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा खेल परिसर के क्रिकेट मैदान में किया जाएगा। तीन जून से शुरू होकर तेरह जून तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज खिलाड़ी मैदान पर चौके छक्के लगाते नजर आएंगे। दर्शकों के लिए सभी मुकाबलों में स्टेडियम में प्रवेश निशुल्क रहेगा तथा वाहन खड़े करने की भी व्यवस्था की जाएगी।

इस लीग में शिखर धवन, हरभजन सिंह, क्रिस गेल, रॉस टेलर, थिसारा परेरा और तिलकरत्ने दिलशान जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। आयोजन को लेकर क्रिकेट मैदान और आसपास के क्षेत्र में सभी आवश्यक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने संबंधित विभागों की बैठक कर सभी तैयारियां तय समय में पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

बिग क्रिकेट लीग के मुख्य संरक्षक पुनीत सिंह ने बताया कि ऑनलाइन यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी ईज माई ट्रिप के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में छह फ्रेंचाइजी टीमें ट्वेंटी-20 प्रारूप में कुल अठारह मुकाबले खेलेंगी। प्रतियोगिता की मौजूदा विजेता मुंबई मरींस टीम है। टूर्नामेंट की खास बात यह है कि देशभर से चयनित साठ शौकिया क्रिकेटरों को इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इनके साथ पूर्व इंडियन प्रीमियर लीग खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

भारत में इन मुकाबलों का सीधा प्रसारण यूरो स्पोर्ट्स पर किया जाएगा, जबकि डिजिटल प्रसारण फैनकोड पर उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा लीग से जुड़े नेटवर्क के माध्यम से इस ग्यारह दिवसीय टूर्नामेंट का प्रसारण पच्चीस से अधिक देशों में किया जाएगा।

ईज माई ट्रिप के संस्थापक एवं अध्यक्ष निशांत पिट्टी ने कहा कि बिग क्रिकेट लीग के साथ साझेदारी बेहद रोमांचक और संतोषजनक रही है। बीसीएल ऐसा नया प्रारूप लेकर आया है, जो क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों को जमीनी स्तर की प्रतिभाओं से जोड़ने का कार्य करता है। वहीं बिग क्रिकेट लीग के लीग आयुक्त दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि लीग का उद्देश्य युवाओं को विश्वस्तरीय क्रिकेट मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनुभव भी प्राप्त कर सकें।

ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा कार्यशाला आयोजित, गैर संचारी रोगों की रोकथाम पर दिया जोर

बिजनौर (शिखर समाचार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के प्रभावी नियंत्रण, डाटा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा को लेकर ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही तथा जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर पूनम की उपस्थिति में ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में तैनात सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान अनुशासन को लेकर सख्ती दिखाई गई तथा बैठक में अनुपस्थित कर्मचारियों के वेतन रोकने के निर्देश भी जारी किए गए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर पूनम ने कहा कि वर्तमान समय में देश में होने वाली लगभग 66 प्रतिशत मौतें गैर-संचारी रोगों के कारण होती हैं, जिनमें हृदय रोग और मधुमेह प्रमुख हैं। उन्होंने इन बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए मरीजों के बेहतर अभिलेख प्रबंधन पर जोर देते हुए कलर कोडिंग प्रणाली अपनाने के निर्देश दिए। साथ ही सप्ताह में दो दिन अनिवार्य रूप से एनसीडी शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने की बात कही।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने स्वास्थ्य कर्मियों से कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण एवं जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करना होगा।

बैठक में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर शालिनी बिश्नोई, एआरओ आलोक कुमार, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक वीर सिंह, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, राजेश कुमार, हरिओम सिंह, डाटा एंट्री ऑपरेटर राशि, आकांक्षा, संगीता, रेणु, मानसी, आरती, दुशाला सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर को जाम से मुक्ति दिलाने पर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने किया प्रभारी निरीक्षक का सम्मान

दादरी (शिखर समाचार)। नगर में यातायात व्यवस्था सुधारने और जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाने को लेकर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा संगठन के पदाधिकारियों ने कोतवाली दादरी पहुंचकर नवनियुक्त प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा का सम्मान किया तथा उन्हें बधाई दी। संगठन के तहसील अध्यक्ष राजकुमार सिंह कार्यकताओं के साथ कोतवाली पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि रेलवे रोड पर सड़क निर्माण कार्य के दौरान लगातार जाम की स्थिति बनी हुई थी, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस द्वारा मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर यातायात व्यवस्था सुचारु कराई गई, जिससे लोगों को राहत मिली। उन्होंने बताया कि नगर में भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण करते हुए उन्हें नगर बाईपास और रुपबास बाईपास से निकाला जा रहा है तथा नगर के अंदर भारी वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। इस व्यवस्था से जीटी रोड सहित नगर के मुख्य मार्गों पर जाम की समस्या में काफी कमी आई है। इस दौरान सरोज भाटी, सुनीता गुर्जर, राकेश वेसोया, पुष्पा भाटी और धर्मवती भाटी सहित संगठन के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बुढ़ाना में मीठे शर्बत की छबील लगाकर राहगीरों को दी गर्मी से राहत

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के नदी वाले मंदिर तिराहे के पास धर्मप्रेमियों द्वारा राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से मीठे शर्बत की छबील लगाई गई। इस दौरान राहगीरों को ठंडा मीठा शर्बत पिलाकर धर्मलाभ अर्जित किया गया। पंडित विवेकमणि शर्मा एवं रविप्रकाश वर्मा ने सहयोगियों के साथ मिलकर राहगीरों की सेवा की। पंडित विवेकमणि शर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। सनातन धर्म में प्यासे की प्यास बुझाने को सर्वोत्तम सेवा माना गया है। इससे आत्मिक संतुष्टि मिलने के साथ समाज में भाईचारा और समरसता भी बढ़ती है। इस अवसर पर टीटू शर्मा, ललित सैनी, आकाश त्यागी, शुभम शर्मा, मोनू पंडित और अंकुर कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्थाओं, सीसीटीवी कक्ष एवं अन्य आवश्यक इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को बारीकी से परखा गया।

निरीक्षण के समय जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस के मुख्य द्वार पर लगे ताले एवं सील की गहन जांच की, जो पूरी तरह सुरक्षित पाई गई। इसके साथ ही परिसर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का भी परीक्षण किया गया। सभी कैमरे सुचारु रूप से संचालित मिले तथा सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के बाद वेयरहाउस में तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखा जाए और सभी कर्मचारी पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गईं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

डासना देहात में स्वयं सहायता समूह गठन को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद द्वारा 27 मई को ग्राम पंचायत भवन, डासना देहात में स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप) के गठन एवं ग्रामीणों को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों, संस्थान के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं लघु उद्यमों के प्रति जागरूक करना था।

यह आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के जीरो पॉवर्टी अभियान के अंतर्गत संस्थान के प्रबंधन ट्रस्टी सीए डॉ. राकेश छारिया एवं संस्थान की निदेशिका प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने की। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक की प्रबंधक सुश्री पारस सिंह तथा एनएसएस अधिकारी डॉ. ऋषि कुमार सिंह उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बैंक प्रतिनिधियों द्वारा स्वयं सहायता समूहों की कार्यप्रणाली, बैंकिंग सुविधाओं, सरकारी योजनाओं तथा ऋण सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की गई। ग्रामीण महिलाओं को समूह बनाकर बचत करने, छोटे व्यवसाय प्रारंभ करने तथा वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम हैं, जिससे महिलाएं एवं युवा न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बनते हैं बल्कि सामाजिक स्तर पर भी आत्मविश्वास प्राप्त करते हैं।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने कहा कि आज के समय में आत्मनिर्भरता ही विकास की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों का दायित्व केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। पंजाब नेशनल बैंक की प्रबंधक सुश्री पारस सिंह ने ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा बैंक की चल रही सीएसआर योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और अपील की कि वे स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपने कौशल का विकास करें तथा छोटे-छोटे उद्यमों के माध्यम से अपने परिवार एवं समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएं।

एनएसएस अधिकारी डॉ. ऋषि कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार की पहल ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता एवं आर्थिक विकास को नई दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं के सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम हैं, जो उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। यह पहल केवल स्वयं सहायता समूहों के गठन तक सीमित नहीं रही, बल्कि नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई। कार्यक्रम ने ग्रामीण समाज में आत्मनिर्भरता, सहयोग एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत किया। बैठक के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने स्वयं सहायता समूहों के गठन में रुचि दिखाई तथा समाज के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का खोड़ा पुलिस ने किया खुलासा, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना खोड़ा पुलिस ने बुधवार को अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस गैंग के 4 वाहन चोर कुणाल, रमन, टीटू और ललित को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिल, 1 स्कूटी और घटना में प्रयुक्त 1 वैगनआर कार बरामद की। संवाददाता सम्मेलन में एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि थाना खोड़ा क्षेत्र में पुलिस चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग के 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से भारी मात्रा में चोरी के वाहन बरामद किए गए है। उन्होंने बताया कि इन सभी के खिलाफ दिल्ली और अन्य जिलों में आपराधिक मुकदमे दर्ज है। वही इनका अन्य अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है। उन्होंने वेगनर गाड़ी किराए पर ली थी और उसी से रैकी करके दोपहिया वाहन चोरी किया करते थे। वाहन को चोरी करने के बाद उसे खाली पड़े प्लॉट में छुपा दिया करते थे और मौका मिलते ही बेच दिया करते थे। वाहन बेचने के बाद मिले पैसों को आपस में बांट लिया करते थे।

मृतक की दादी के डांटने का बदला, किशोर की हत्या कर लिया

जेवर (शिखर समाचार) जेवर पुलिस ने नाबालिग किशोर की हत्या का एक सप्ताह बाद खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मृतक की दादी द्वारा हुक्का पिलाने को लेकर डांट लगाए जाने का बदला लेने के लिए किशोर की हत्या की थी। आरोपियों ने किशोर को हुक्का पिलाने के बहाने बुलाया, अधिक तंबाकू वाला हुक्का पिलाया और बाद में उसका सिर दीवार में मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। वहीं गांव में जिस मकान में आरोपी हुक्का पीते थे, वहां जेसीबी मशीन चलाकर कार्रवाई की गई।

गांव बनवारीवास में एक सप्ताह पहले हुई हत्या का खुलासा बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र और डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने कोतवाली में किया। अधिकारियों ने बताया कि रविभूषण निवासी ग्राम बनवारीवास ने अपने नाबालिग पुत्र गोपाल (15) के 21 मई को घर से लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी थी। इसके बाद 22 मई की रात रोही गांव के पास एक खाली मकान में किशोर का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच के लिए चार टीमों का गठन किया। वैज्ञानिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार

पर नरेश व मोहित निवासी गांव रोही तथा उमेश कुमार निवासी गांव मीरपुर बिहार के नाम प्रकाश में आए, जिनकी तलाश की जा रही थी।

मुठभेड़ के बाद हत्या आरोपी गिरफ्तार

बुधवार को पुलिस यमुना एक्सप्रेसवे के साबौता अंडरपास के नीचे संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवक साबौता की ओर से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी बाइक मोड़कर साबौता नहर पटरी की ओर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बाइक सवार दो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। बाइक गिरने के बाद पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पूछताछ में उनकी पहचान नरेश, उमेश कुमार और मोहित के रूप में हुई।

दादी की डांट से नाराज होकर रची हत्या की साजिश

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले मृतक की दादी ने उन पर गोपाल को बहला-फुसलाकर हुक्का पिलाने का आरोप लगाते हुए डांट लगाई थी। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी भी हुई थी। आरोपियों के मन में तभी से बदला लेने की भावना पैदा हो गई थी। आरोपियों ने बताया कि उन्हें लगा कि गोपाल के कारण ही उन्हें अपमानित होना पड़ा और गांव में बदनामी हुई। इसी रंजिश में उन्होंने हत्या की योजना बनाई। आरोपियों के अनुसार 21 मई को जब गोपाल उनके पास आया तो उन्होंने उसे अधिक तंबाकू वाला हुक्का पिलाया और बाद में रोही गांव के पास स्थित खाली मकान में ले गए। वहां उसका सिर दीवार में मार दिया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। आरोपियों ने बताया कि जब तक उसकी मौत नहीं हो गई, वे वहीं मौजूद रहे।

अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि मृतक किशोर का पोस्टमार्टम पैनल से कराया गया था और उसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं। मृत्यु का सटीक कारण जानने के लिए बिसरा रासायनिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक संसार सिंह, योगेंद्र चौधरी, सोनवीर सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

हुक्का पीने वाले ठिकाने पर चला बुलडोजर

बुधवार को पुलिस गांव में दो जेसीबी मशीन लेकर पहुंची और उस खाली पड़े मकान की दीवारें गिरा दीं, जहां आरोपी हुक्का पीते थे और जहां मृतक को भी बुलाकर हुक्का पिलाया गया था।

मृतक परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

मृतक परिवार के लोगों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि किशोर की बेरहमी से हत्या की गई थी और उसके कई अंग काटे गए थे। परिजनों का आरोप है कि एक नेता के दबाव में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से छेड़छाड़ की गई है। परिवार ने मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि जिस मकान पर जेसीबी चलाई गई, वह आरोपी का मकान नहीं था और गांव के किसी अन्य व्यक्ति का था। परिवार का कहना है कि वास्तविक आरोपियों के मकानों पर कार्रवाई नहीं की गई, जबकि निर्दोष व्यक्ति की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया।

बिजनौर में खूंखार गुलदार पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिले के थाना बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम चाहड़वाला में लंबे समय से दहशत का कारण बना खूंखार गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

ग्राम चाहड़वाला और आसपास के क्षेत्रों में गुलदार लगातार पालतू पशुओं को अपना शिकार बना रहा था, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। ग्रामीणों की शिकायतों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने गांव में पिंजरा लगाया था। बीती रात वन विभाग की यह योजना सफल रही और गुलदार चारे के लालच में पिंजरे में कैद हो गया।

सुबह गुलदार के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में खबर तेजी से फैल गई। गुलदार को देखने के लिए मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। स्थिति को नियंत्रित करने और गुलदार को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

वन अधिकारियों के अनुसार, गुलदार का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद उच्च अधिकारियों के निदेर्शानुसार उसे किसी सुरक्षित घने जंगल अथवा चिड़ियाघर में भेजा जाएगा।

संपादकीय

मतदाता सूची की शुचिता और लोकतंत्र की नई चुनौती

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी चुनावी व्यवस्था मानी जाती है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में करोड़ों लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सरकार चुनते हैं और यही प्रक्रिया लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती है। लेकिन चुनाव केवल मतदान तक सीमित नहीं होते, बल्कि उसकी पूरी विश्वसनीयता मतदाता सूची की शुद्धता पर निर्भर करती है। यदि मतदाता सूची में गड़बड़ी हो, फर्जी नाम जुड़े हों, मृत व्यक्तियों के नाम बने रहें या वास्तविक नागरिकों के नाम कट जाएं तो लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर प्रक्रिया को वैध ठहराना देश की राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक बड़ा और दूरगामी फैसला माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट कहा कि चुनाव आयोग को संविधान ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी है और मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण उसी जिम्मेदारी का हिस्सा है। अदालत ने उन दलीलों को स्वीकार नहीं किया जिनमें कहा गया था कि एसआईआर के माध्यम से पीछे के रास्ते से नागरिकता जांच की कोशिश की जा रही है। न्यायालय ने माना कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का संवैधानिक दायित्व है और इसके लिए विशेष अभियान चलाना किसी भी तरह से असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब बिहार के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों में भी इस तरह के पुनरीक्षण अभियानों का रास्ता लगभग साफ हो गया है। हालांकि इस फैसले के बाद राजनीतिक बहस और तेज हो गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया के नाम पर गरीबों, प्रवासी मजदूरों, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों को परेशान किया जा सकता है। उनका कहना है कि देश में आज भी करोड़ों ऐसे लोग हैं जिनके पास सभी जरूरी दस्तावेज नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनेक लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र तक उपलब्ध नहीं है। कई महिलाएं विवाह के बाद दूसरे स्थान पर चली जाती हैं और उनके दस्तावेजों में अलग-अलग नाम या पते दर्ज होते हैं। ऐसे में यदि दस्तावेजों के आधार पर मतदाता सूची की जांच होगी तो बड़ी संख्या में वास्तविक नागरिकों के नाम कटने का खतरा पैदा हो सकता है। यह आशंका पूरी तरह निराधार भी नहीं कही जा सकती। पहले भी कई राज्यों में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान शिकायतें सामने आई थीं कि अनेक लोगों के नाम अचानक सूची से गायब हो गए। कई परिवारों को बार-बार दस्तावेज जमा कराने पड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े। लोकतंत्र की असली मजबूती इसी बात में है कि समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी बिना किसी भय और भेदभाव के मतदान कर सके। यदि कोई प्रक्रिया ऐसी स्थिति पैदा करे जिसमें गरीब और अशिक्षित नागरिक अपने अधिकार से वंचित होने लगें तो उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दूसरी ओर चुनाव आयोग का पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। आयोग का कहना है कि वर्षों से मतदाता सूचियों में डुप्लीकेट नाम, फर्जी पहचान और मृत व्यक्तियों की प्रविष्टियां बनी हुई हैं। कई लोग स्थान बदलने के बाद भी पुराने स्थान पर मतदाता बने रहते हैं, जिससे एक व्यक्ति के नाम कई जगह दर्ज हो जाते हैं। यह स्थिति चुनावी पारदर्शिता के लिए खतरा बनती है। यदि मतदाता सूची को समय-समय पर व्यवस्थित और अद्यतन नहीं किया जाएगा तो चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर ही प्रश्नचिह्न लग जाएगा। यही कारण है कि आयोग विशेष पुनरीक्षण को लोकतंत्र की सफाई प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

~ मौलिक चिंतन ~

जानते बूझते हुए धूर्त पर विश्वास करना, अपने मूर्ख होने का प्रमाण देना है।

© विनय संकोची

ऑक्सीजन बैंक : विकास और पर्यावरण संतुलन की नई दिशा

लेखक : महेश सक्सेना
महासचिव, नोएडा लोक मंच

आज दुनिया अभूतपूर्व भौतिक विकास के दौर से गुजर रही है। महानगरों की ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, मेट्रो नेटवर्क और आधुनिक औद्योगिक परियोजनाएँ विकास की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रही हैं। लेकिन इसी विकास की चकाचौंध के बीच एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़ा है क्या हम विकास की कीमत प्रकृति को नष्ट करके चुका रहे हैं? यदि ऐसा है, तो यह प्रगति नहीं, बल्कि आने वाले भविष्य के लिए विनाश का संकेत है।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र, विशेषकर नोएडा और उसके आसपास का इलाका आज प्रदूषण, धूल, अत्यधिक गर्मी और घटती हरियाली की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बढ़ते शहरीकरण ने प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाला है। ऐसे समय में यमुना रिवर के किनारे 5 से 6 लाख पेड़ लगाने की ऑक्सीजन बैंक योजना एक दूरदर्शी और सकारात्मक पहल के रूप में सामने आती है। यह केवल वृक्षारोपण अभियान नहीं, बल्कि मानव जीवन और पर्यावरण को बचाने का सामूहिक संकल्प है।

यमुना नदी भारतीय संस्कृति और सभ्यता की महत्वपूर्ण धारा रही है। सदियों से यह नदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार रही है। लेकिन आज यमुना के किनारे अतिक्रमण, कंक्रीट और प्रदूषण का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो रहा है और उसके तटों की हरियाली समाप्त होती जा रही है। ऐसे में ऑक्सीजन बैंक जैसी पहल यमुना को नया जीवन देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एक परिपक्व वृक्ष वातावरण में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन छोड़ने के साथ साथ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है। यदि यमुना तट पर लाखों पेड़ लगाए जाते हैं, तो यह क्षेत्र एक विशाल प्राकृतिक ऑक्सीजन जोन में परिवर्तित हो सकता है। इससे प्रदूषण कम होगा, तापमान नियंत्रित रहेगा और धूल की समस्या में भी कमी आएगी। साथ ही भूजल संरक्षण और मिट्टी के कटाव को रोकने में भी सहायता मिलेगी।

आज शहरों से पक्षियों का कलरव धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। गौरैया, मैना, तोता और अन्य अनेक पक्षी अपने प्राकृतिक आवास खो चुके हैं। यदि यमुना किनारे हरियाली विकसित होती है, तो यह क्षेत्र पुनः जैव विविधता का केंद्र बन सकता है। पेड़ों की छाँव केवल मनुष्य को ही नहीं, बल्कि जीव-जंतुओं और पक्षियों को भी नया जीवन देगी।

वास्तविक विकास वही है जिसमें आधुनिकता और प्रकृति दोनों का संतुलन बना रहे। केवल कंक्रीट के जंगल खड़े कर देना विकास नहीं कहलाता। विकास तब सार्थक होता है जब उद्योग भी बढ़ें और नदियाँ भी स्वच्छ रहें, सड़कें भी बनें और पेड़ भी सुरक्षित रहें। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में वृक्षों को देवतुल्य और नदियों को जीवनदायिनी कहा गया है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है।

इस अभियान की सफलता केवल सरकारी योजनाओं पर निर्भर नहीं हो सकती। इसके लिए जनभागीदारी आवश्यक है। प्रशासन, सामाजिक संगठन, आरडब्ल्यूए, विद्यार्थी, पर्यावरण प्रेमी और आम नागरिक सभी को इस हरित अभियान का हिस्सा बनना होगा। यदि समाज सामूहिक रूप से आगे आएगा, तभी ऑक्सीजन बैंक जैसी अवधारणा स्थायी रूप से सफल हो सकेगी।

इसके साथ ही यमुना तटों से अतिक्रमण हटाना भी अत्यंत आवश्यक है। नदी के किनारों पर अवैध कब्जे केवल भूमि पर अतिक्रमण नहीं, बल्कि प्रकृति के अधिकारों का हनन हैं। यदि समय रहते तटों को संरक्षित नहीं किया गया, तो भविष्य में जल संकट, बाढ़ और पर्यावरणीय आपदाएँ और अधिक गंभीर हो सकती हैं। इसलिए वृक्षारोपण के साथ-साथ यमुना तटों का संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आने वाली पीढ़ियों को केवल तकनीकी विकास और आधुनिक भवनों की विरासत न दें, बल्कि स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ पर्यावरण भी सौंपें। आने वाला समय उसी समाज को याद रखेगा जिसने विकास के साथ प्रकृति का संतुलन भी बचाकर रखा। ऑक्सीजन बैंक वास्तव में मानवता के भविष्य का बैंक है, जहाँ पेड़ जमा होंगे और बदले में आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन मिलेगा।

अंततः यह समझना होगा कि पेड़ लगाना केवल अभियान नहीं, बल्कि भविष्य को बचाने का संकल्प है। यदि आज हम प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने में सफल होते हैं, तो कल हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खुली हवा में साँस ले सकेंगी और हमें धन्यवाद देंगी।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'निरस्त्र' करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश कुमार गोयल

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे।

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब

हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक ओटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

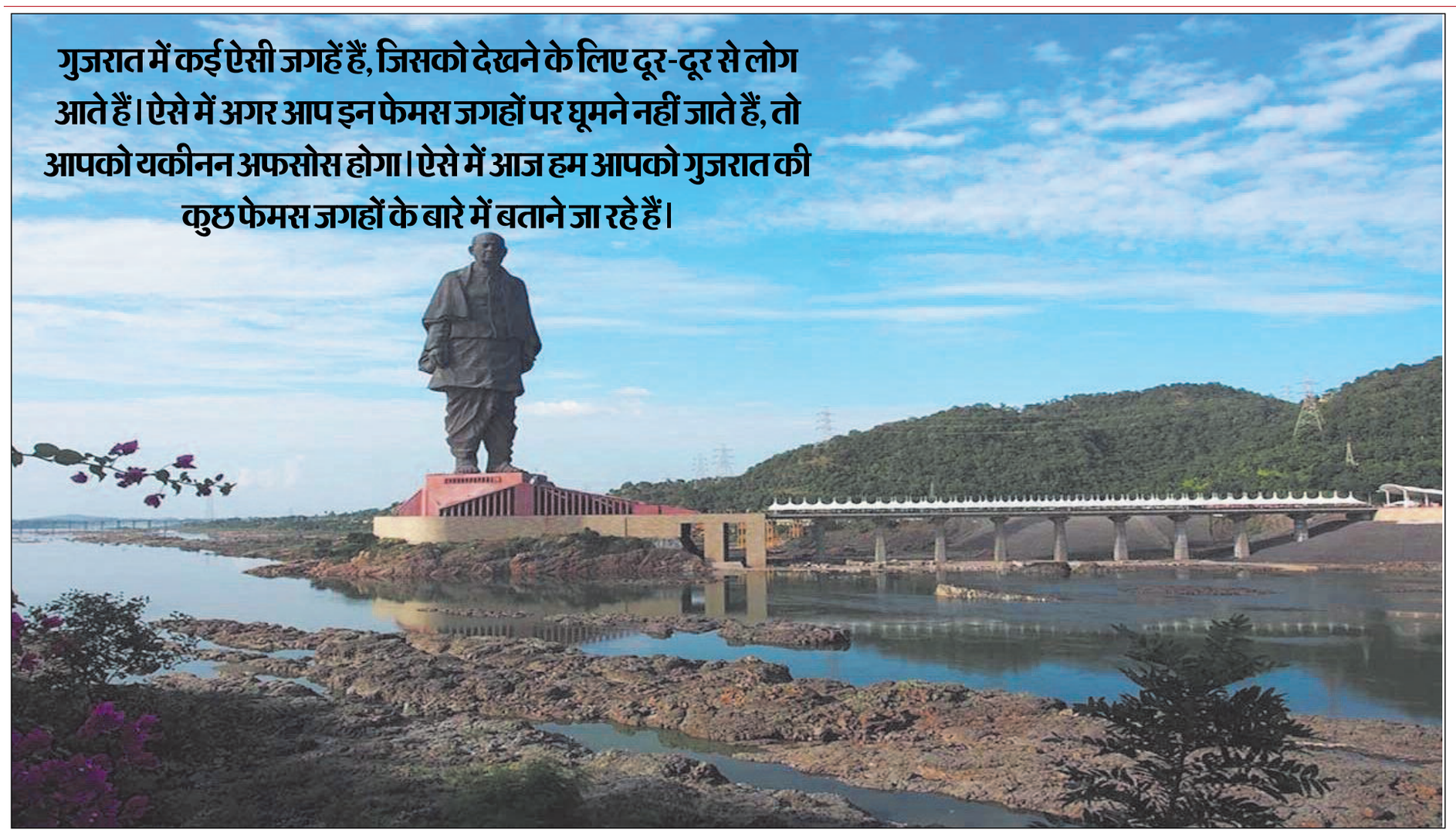

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी

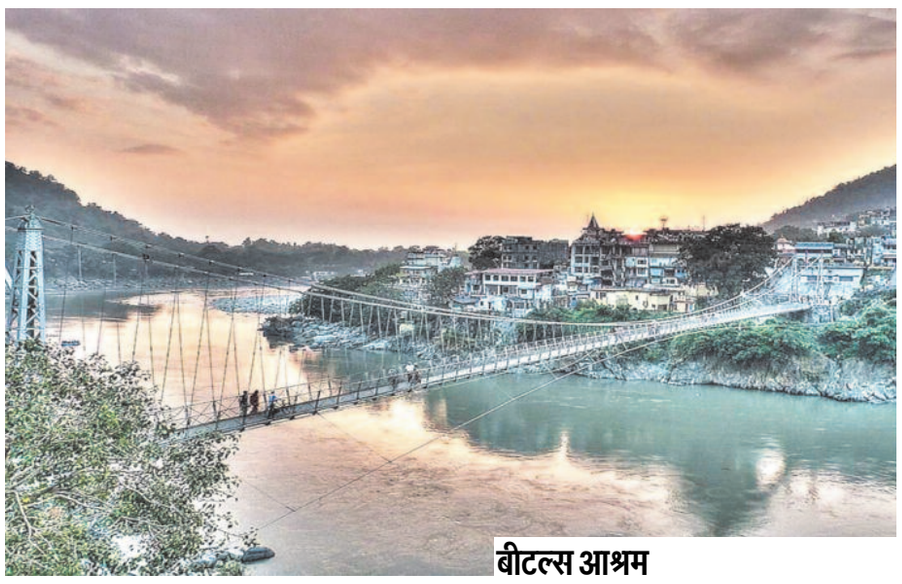

सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

सैमसंग कंपनी ने एआई चिप्स की भारी डिमांड से कमाया रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा

78,000 कर्मचारियों को औसतन 50.9 करोड़ का ऐतिहासिक बोनस देगी कंपनी

नई दिल्ली।

दुनिया भर में एआई से सबसे ज्यादा फायदा दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चिप डिवीजन के कर्मचारियों को हुआ है। ग्लोबल मार्केट में एआई चिप्स की भारी डिमांड और कंपनी के रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे के चलते सैमसंग ने करीब 78,000 कर्मचारियों को औसतन 50.9 करोड़ 3.7 लाख डॉलर का ऐतिहासिक बोनस देने जा रही है। इस बंपर मेगा-बोनस स्कीम और नए वेतन समझौते पर अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है। इससे पहले सैमसंग के मुकाबले उसकी प्रतिद्वंदी कंपनी एसके हाइनेक्े स अपने कर्मचारियों को तीन गुना ज्यादा बोनस दे रही थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते को मंजूर करने के लिए करीब 70,000 यूनियन सदस्यों के बीच बीते शुक्रवार से इलेक्ट्रॉनिक मतदान शुरू हुआ है। वोटिंग बुधवार को खत्े म होगी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 90फीसदी से ज्यादा सदस्य पहले ही वोट डाल चुके हैं और बहुमत के साथ इसके आज ही मंजूर होने की पूरी संभावना है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सैमसंग का यह कदम उसके टैलेंटेड इंजीनियरों को विदेश जाने से रोकने के लिए जरूरी था। इस समय एलन मस्क की कंपनी टेस्ला समेत कई अमेरिकी दिग्गज एआई चिप्स में भारी निवेश कर रहे हैं।

सैमसंग और उसकी सबसे बड़ी लेबर यूनियन के बीच समझौता 10 सालों के लिए लागू रहेगा। इस बोनस समझौते को कंपनी के परफॉर्मेंस टारगेट से जोड़ा है। बोनस दो हिस्सों में दिया जाएगा। कर्मचारियों को मिलने वाला सालाना बोनस चिप डिवीजन के कुल ऑपरेटिंग प्रॉफिट का 10.5 फीसदी होगा, जिसे कंपनी के शेयर्स के रूप में दिया जाएगा। इसके अलावा, कर्मचारियों को 1.5 फीसदी अतिरिक्त बोनस नगद मिलेगा। बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर कंपनी का वार्षिक ऑपरेटिंग प्रॉफिट तय लक्ष्य 331 ट्रिलियन वॉन तक पहुंच जाता है, तो हर एक पात्र कर्मचारी को इस साल औसतन 3.7 लाख डॉलर का फायदा होगा।

एचडीएफसी ने खेला ज्यादा ब्याज देने का खेल, गवर्नेंस और ट्रांसपरेंसी पर उठे सवाल

मार्च में बैंक के चेयरमैन ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी पर आरोप है कि महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमएसआरडीसी) को तय नियमों से ज्यादा ब्याज देने के लिए करीब 45 करोड़ रुपए को मार्केटिंग खर्च के रूप में बैंक ने दिखाया था। बैंक की इंटरनल चेकिंग में इस पूरी व्यवस्था को नियमों के खिलाफ बताया है। मामला सामने आने के बाद बैंक की गवर्नेंस और ट्रांसपरेंसी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च 2026 में बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। माना जा रहा है कि यह फैसला इस विवाद से जुड़ा हुआ था। कई रिपोर्ट्स से यह भी सामने आया है कि बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन के साथ अधिकार और फैसलों को लेकर चल रहे मतभेदों के कारण अतनु चक्रवर्ती ने इस्तीफा दिया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पिछले कई महीनों से दोनों पक्षों के बीच रणनीति, गवर्नेंस और सीईओ की दोबारा नियुक्ति को लेकर तनाव था। अब जांच रिपोर्ट में बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवल्पमेंट कारपोरेशन ने बैंक में बड़ी राशि जमा करने को लेकर बातचीत शुरू की थी। एमएसआरडीसी ने अपनी जमा राशि पर 6.01 फीसदी ब्याज की मांग की थी, जबकि उस समय बैंक सामान्य बचत खातों पर करीब 3.5 फीसदी ब्याज दे रहा था। रिपोर्ट में बताया गया कि एमएसआरडीसी ने बैंक में करीब 25,000 करोड़ रुपए जमा करने की बात कही थी। इस बड़े डिपॉजिट के लिए बैंक ने विशेष व्यवस्था बनाई। हालांकि, आरबीआई के नियमों के कारण बैंक सीधे तौर पर इतनी ऊंची ब्याज दर नहीं दे सकता था। इसके बाद ब्याज के अंतर को दूसरे तरीके से देने की योजना बनाई गई। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक किसी एक ग्राहक को स्पेशल बेनिफिट देने के लिए अलग ब्याज व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि इस मामले में बैंक की एंटी-ब्राइबरी और गवर्नेंस पॉलिसी का भी उल्लंघन हुआ है। इंटरनल विजिलेंस रिपोर्ट में बैंक के एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन, सीएफओ श्रीनिवासन वैद्यनाथन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह पूरी व्यवस्था सामान्य बैंकिंग प्रोसेस और निगरानी से बाहर थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 141, निफ्टी 7 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। इससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 141.90 अंकों की गिरावट के साथ ही 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 6.55 अंक फिसलकर 23,907.15 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बाजार में सबसे ज्यादा गिरावट वित्तीय और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में रही। निफ्टी के जिन शेयरों में गिरावट रही उनमें ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के शेयर रहे जबकि उर्जा और धातु क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन,और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही। टाटा स्टील, इंडिगो, मारुति सुजुकी, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर भी उछले हैं। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों के बाद दोने में तनाव बढ़ा है जससे भी निवेशकों में घबराहट है और वह सतर्कता बरत रहे हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव बना हुआ है।

आज निफ्टी बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स क्षेत्र में शेयर गिरे जबकि .मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में तेज रही। छोटे और मझोले शेयरों में खरीदारी देखी! इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।

सुबह सेंसेक्स 136.38 अंक फिसलकर 75,873.32 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 29.95 अंक टूटकर 23,887.15 पर था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.63 पर बंद हुआ इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर खुला। वहीं महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में कुछ गिरावट से निवेशकों को कुछ राहत मिली है। कारोबारियों के अनुसार आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी बाजार में गिरावट का माहौल है जिससे भी रुपया दबाव में रहा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी आई है। आज सुबह कमजोर शुरुआत के बाद सोने में तेजी आने लगी। वहीं चांदी के भाव बढ़त पर ही खुले। घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,57,850 रुपये, जबकि चांदी की 2,72,400 रुपये पर बनी हुई थीं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 75 रुपये फिसलकर 1,57,541 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,57,616 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 1,975 रुपये बढ़कर 2,72,603 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,70,628 रुपये था। चांदी के भाव 3 लाख रुपये पार कर चुके हैं। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस दोनो के ही वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना आज 4,507.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 4,502.30 डॉलर प्रति औंस था। सोने का भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचा। कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 77.33 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 76.60 डॉलर था।

8वें वेतन आयोग से रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में होगा इजाफा

आईआरटीएसए ने सरकार के सामने रखा 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला

नई दिल्ली।

8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों के बीच उत्सुकता है। खासतौर पर रेलवे कर्मचारियों की निगाहें इस पर टिकी हैं कि नए वेतन आयोग में उनकी सैलरी में कितना इजाफा होगा। इसी बीच रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के संगठन ने सरकार के सामने एक नया और अलग प्रस्ताव रखा है, जिससे रेलवे कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन ने 8वें वेतन आयोग के सामने रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के लिए अलग 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला लागू करने की मांग की है। अब तक सभी वेतन आयोगों में कर्मचारियों के लिए एक समान फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता रहा है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर कर्मचारियों की बेसिक सैलरी तय थी। हालांकि, संगठन का कहना है कि रेलवे तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां, कार्य का दबाव और जोखिम अन्य कर्मचारियों से अलग और चुनौतीपूर्ण है। इसलिए उनके लिए अलग वेतन व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रस्ताव के मुताबिक लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों के लिए 2.92 फिटमेंट फैक्टर, लेवल 6 से 8 तक के लिए 3.50, लेवल 9 से 12 तक के लिए 3.80, लेवल 13 से 16 तक के लिए 4.09 और लेवल 17 से 18 तक के कर्मचारियों के लिए 4.38 फिटमेंट फैक्टर लागू करने की सिफारिश की गई है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में

रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। यदि किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 45 हजार है और वह लेवल 6 से 8 के दायरे में आता है, तो 3.50 फिटमेंट फैक्टर लागू होने पर उसकी नई बेसिक सैलरी करीब 1.57 लाख रुपए हो जाएगी।

संगठन ने संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति योजना यानी एमएसीपी में भी बदलाव की मांग की गई है। प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को 30 साल की सेवा अवधि में पांच बार वित्तीय उन्नयन देने की सिफारिश की गई है। अब सभी की नजर सरकार और 8वें वेतन आयोग के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि इससे लाखों रेलवे कर्मचारियों की आय और सेवा शर्तों में बड़ा बदलाव हो सकता है।

ओएनजीसी का मार्च तिमाही में मुनाफा घटा, कमाई बढ़ी

कंपनी ने किया निवेशकों को 1 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली।

सरकारी तेल और गैस कंपनी ओएनजीसी का मार्च तिमाही के नतीजे मिले-जुले रहे। कंपनी का मुनाफा घटा है, लेकिन कमाई बढ़ी है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में ओएनजीसी का शुद्ध लाभ 20.6 फीसदी गिरकर 6,650 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल इस तिमाही में कंपनी को 8,371 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि, इस दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 35,928 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो एक साल पहले 31,547 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो कंपनी का कुल शुद्ध लाभ 32,894 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 7.6 फीसदी कम है। पिछले साल कंपनी ने 35,610 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। ओएनजीसी को खोजी कुओं पर बड़ा नुकसान भी उठाना पड़ा। कंपनी ने मार्च तिमाही में 4,876 करोड़ रुपए का खर्च लिखकर हटाया, क्योंकि जिन जगहों पर ड्रिलिंग की गई वहां तेल या गैस का व्यावसायिक भंडार नहीं मिला। पिछले साल इसी तिमाही में यह नुकसान 4,173 करोड़ रुपए था। वहीं पूरे साल में ऐसे खर्च का आंकड़ा बढ़कर 8,235 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी ने गुजरात मेरीटाइम बोर्ड के साथ मिलकर दाहेज में 5 एमएमटीपीए क्षमता

वाला लिक्विड पोर्ट बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा ओएनजीसी ने ओएनजीसी नाइल गंगा के लिए 325 मिलियन डॉलर की गारंटी को भी मंजूरी दी है। ओएनजीसी ने अपने निवेशकों के लिए 1 रुपए प्रति शेयर अंतिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि यह 5 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर 20 फीसदी की दर से दिया जाएगा। हालांकि इसे एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी मिलना बाकी है।

बता दें मंगलवार को ओएनजीसी का शेयर 0.89 फीसदी की बढ़त के साथ 287.50 रुपए पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार में शेयर ने 289.65 रुपए का ऊपरी स्तर और 284.50 रुपए का निचला स्तर छुआ।

टाटा संस की मैराथन बैठक में नोएल टाटा ने नए जमाने के कारोबार के किए सवाल

बैठक में कंपनी को सूचीबद्ध कराने और न ही चंद्रशेखरन के कार्यकाल पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। बॉम्बे हाउस में मैराथन बोर्ड बैठक भले ही टाटा समूह की कंपनियों के राजस्व, मुनाफा, प्रति शेयर आय (ईपीएस) और अन्य तमाम आंकड़ों की प्रस्तुति वाले किसी रोड शो जैसी लगी हो लेकिन इस समीक्षा सत्र को टाटा ट्रस्ट्स के साथ जुड़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक का कारोबार करने वाले इस समूह की मूल कंपनी में टाटा ट्रस्ट्स सबसे बड़ा शेयरधारक है। बता दें लोगों को इस बैठक का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन इसमें न तो होल्डिंग कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराने पर और न ही चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर कोई चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक इन दोनों मुद्दों पर 12 जून को होने वाली अगली बोर्ड बैठक में चर्चा हो सकती है। एक अनोखे घटनाक्रम के तहत टाटा संस की एक विशेष बोर्ड बैठक 26 मई को बुलाई गई थी जहां घाटे में चल रही समूह की कुछ कंपनियों के वित्तीय नतीजों, अनुमानों और रणनीतिक योजनाओं पर चर्चा की गई। इसमें कई मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अपनी पावर पॉइंट प्रस्तुतियों के साथ शामिल हुए। वास्तव में यह बैठक 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और नामित निदेशक नोएल टाटा द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब थी।

क्वाड देश महत्त्वपूर्ण खनिजों की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के लिए जुटाएंगे 20 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव फ्रेमवर्क' पेश किया। इस ढांचे के तहत चारों देशों ने खनन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण समेत खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र से 20 अरब डॉलर तक की आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की इच्छा जताई है। नई दिल्ली में घोषित इस ढांचे का मकसद रणनीतिक संसाधनों पर बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के बीच उन्नत प्रौद्योगिकियों एवं औद्योगिक विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले अहम खनिजों के लिए सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करने से जुड़ी पहल को बढ़ावा देना है।

इस पहल के तहत 'क्वाड' भागीदार 'क्वाड नेक्सस' वाली परियोजनाओं की पहचान करने की योजना की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं जिनमें सदस्य देशों में स्थित परियोजनाएं, इन देशों में मुख्यालय वाली कंपनियों द्वारा संचालित परियोजनाएं या क्वाड बाजारों को आपूर्ति करने वाली परियोजनाएं शामिल हैं।

समूह ने निर्यात ऋण एजेंसियों, विकास वित्त संस्थानों, गारंटी, ऋण, इक्विटी भागीदारी, बीमा, सब्सिडी और निजी पूंजी के जरिये रणनीतिक तौर पर अहम खनिज परियोजनाओं का समर्थन करने की भी पेशकश की। मंगलवार को 'क्वाड' देशों ने ई-कचरा और स्क्रैप सामग्री से महत्त्वपूर्ण खनिज दोबारा हासिल कर पुनर्चक्रण में सहयोग का भी प्रस्ताव रखा। इसमें पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों, संग्रह नेटवर्क में निवेश और कचरा और स्क्रैप के लिए निर्यात-आयात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना शामिल है।

इसके अलावा, भारत और अमेरिका ने 'महत्त्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के खनन और प्रसंस्करण में आपूर्ति सुनिश्चित करने' पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हस्ताक्षर किए।

बाजार में बढ़ा नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार, नहीं पहचान पा रहे ग्राहक

चांदी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य, कई ज्वेलर्स नहीं कर रहे इसका पालन

नई दिल्ली।

देश में चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों और निवेशकों की मजबूत मांग के बीच नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार तेजी से बढ़ा है। बाजार में बिक रही कई सिल्वर बार, सिक्के, आभूषण और पूजा सामग्री तय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतर रही है। इससे ग्राहकों को आर्थिक नुकसान का खतरा है, वहीं चांदी बाजार की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के महीनों में निवेशकों का रुझान सोने के साथ-साथ चांदी की ओर भी बढ़ा है। सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में लोग बड़ी मात्रा में सिल्वर बार, सिक्के और चांदी के बर्तन खरीद रहे हैं।

इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी और अवैध निर्माता बाजार में कम गुणवत्ता वाली चांदी बेच रहे हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसी चांदी मौजूद है, जो 999 शुद्धता के मानक को पूरा नहीं करती है। विशेष चिंता की बात यह है कि कई उत्पादों में निकेल, कैडमियम और लेड जैसे हानिकारक तत्व भी पाए जा रहे हैं। ये धातुएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रैप सिल्वर से बने आभूषणों और अन्य वस्तुओं में इस तरह की मिलावट ज्यादा देखने को मिल रही है। इससे ग्राहकों की सुरक्षा और निवेश दोनों प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने सितंबर 2025 से चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया है, लेकिन उद्योग जगत का कहना है कि अभी भी बड़ी संख्या में ज्वेलर्स इसका पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों के लिए असली और नकली चांदी की पहचान करना कठिन है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह सोने के लिए सख्त हॉलमार्किंग और लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू है, उसी प्रकार चांदी के क्षेत्र में भी मजबूत निगरानी तंत्र जरूरी है। जानकारी के मुताबिक भारत में हर साल करीब 7,000 टन चांदी की खपत होती है, जबकि इसके लिए केवल 286 अस्सेइंग और हॉलमार्किंग सेंटर उपलब्ध हैं। इसके विपरीत सोने की खपत कम होने के बावजूद उसके लिए 1,500 से ज्यादा सेंटर मौजूद हैं। यही असंतुलन चांदी बाजार की सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है। जयपुर, आगरा, राजकोट, कोल्हापुर, सलेम और कटक जैसे शहर चांदी के आभूषण और धार्मिक वस्तुओं के बड़े उत्पादन केंद्र हैं।

ब्रिटानिया 'गुड डे' अब होगा महंगा! कंपनी फैमिली पैक्स के बढ़ा रही दाम

5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में बदलाव नहीं, कम होगा वजन

नई दिल्ली।

अगर आप भी सुबह या शाम की चाय के साथ ब्रिटानिया का 'गुड डे' बिस्किट खाते हैं तो अब इस शौक के लिए आपको ज्े यादा पैसे चुकाना होगा। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 'गुड डे' बिस्किट के फैमिली पैक्स के दाम बढ़ा रही है। डिस्ट्रीब्यूटर सूत्रों के मुताबिक कंपनी इसके प्रमुख वैरिएंट्स की कीमतों में 10 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटानिया 5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में कोई बदलाव तो नहीं होगा लेकिन इसका वजन कंपनी कम कर सकती है यानी आपको पैसे तो उतने ही देने होंगे, लेकिन पैकेट में बिस्किट कम मिलेंगे। कंपनी ने अपनी अर्निंग्स कॉल में भी साफ कहा है कि 10 रुपए से महंगे पैक्स पर दाम बढ़ाए जाएंगे और छोटे पैक्स में वजन कम किया जाएगा। कंपनी कच्चे माल की कीमतों और पैकेजिंग मैटेरियल की बढ़ती कॉस्ट से परेशान है। इसी वजह से कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला लिया है। बता दें ब्रिटानिया की कुल कमाई में बिस्किट कारोबार की हिस्सेदारी 70-75 फीसदी है, और अकेले 'गुड डे' ब्रांड से कंपनी को करीब 3,500 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलता है। कीमतें बढ़ाने का यह फैसला कंपनी के चौथी तिमाही के मिले-जुले नतीजों के बाद आया है। मार्च तिमाही में ब्रिटानिया का कुल रेवेन्यू 6.5फीसदी बढ़कर 4,719 करोड़ रुपए रहा। वहीं, कंपनी का शुद्ध लाभ भी उम्मीद से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करते हुए 21.1फीसदी की बढ़त के साथ 678 करोड़ पर पहुंच गया। हालांकि, विज्ञापनों और अन्य खर्चों में 17.5फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने के कारण कंपनी के ऑपरेटिंग मार्जिन पर दबाव देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2026 के शुरुआती महीनों में कंपनी का बिजनेस करीब 9फीसदी की रफ्तार से बढ़ा था, लेकिन मार्च आते-आते इस पर ब्रेक लग गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हुई। इसके कारण समुद्री मालभाड़ा और ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया, जिसने कंपनी की लागत को बढ़ा दिया। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने ब्रिटानिया के शेयर पर अपनी 'बाय' रेटिंग तो बरकरार रखी है, लेकिन टारगेट प्राइस 7,170 रुपए से घटाकर 6,360 रुपए कर दिया है।

जेके सीमेंट कंपनी बढ़ा रही क्षमता, बढ़ती लागत से निपटने बढ़ाए दाम

कंपनी की कुल ग्रे सीमेंट क्षमता बढ़कर 32.3 एमटीपीए हो गई

नई दिल्ली।

सीमेंट कंपनी जेके सीमेंट के मार्च तिमाही नतीजों के बाद बाजार में कंपनी को लेकर चर्चा बढ़ गई है। कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती लागत से निपटने सीमेंट के दाम भी बढ़ा रही है। आने वाले समय में कंपनी का फोकस ज्यादा बिक्री पर है, नई यूनिट्स और लागत कंट्रोल पर रहने वाला है। कंपनी ने 2027 में डबल डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ का लक्ष्य रखा है। साथ ही 2028 तक कुल क्षमता को करीब 40 एमटीपीए तक पहुंचाने की योजना है। बिहार में 30 लाख टन क्षमता वाला नया यूनिट भी शुरू हो चुका है, जिससे कंपनी की कुल ग्रे सीमेंट क्षमता बढ़कर 32.3 एमटीपीए हो गई है।

हालांकि, ईंधन, डीजल और पैकेजिंग लागत बढ़ने से कंपनी पर दबाव बना हुआ है। कंपनी का कहना है कि पहली तिमाही में ईंधन लागत करीब 150-200 रुपए प्रति टन तक बढ़ सकती है। डीजल की कीमत बढ़ने से ट्रांसपोर्ट खर्च भी बढ़ सकता है। इसके असर को कम करने के लिए कंपनी ने ग्रे सीमेंट, व्हाइट सीमेंट और वॉल पुट्टी के दाम बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने ग्रे सीमेंट में करीब 10 रुपए प्रति बैग की बढ़ोतरी की है।मोतीलाल ओसवाल ने शेयर पर बाय रेटिंग रखते हुए 6,250 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि कंपनी का चौथी तिमाही का प्रदर्शन अनुमान के मुताबिक रहा। हालांकि ईबीआईटीडीए और मार्जिन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी का ईबीआईटीडीए करीब 11 फीसदी घटकर 680 करोड़ रुपए रहा, जबकि प्रति टन ईबीआईटीडीए करीब 1,008 रुपए पर आया। ब्रोकरेज के मुताबिक आने वाले समय में ईंधन लागत बढ़ने का असर कंपनी के मार्जिन पर दिखेगा। फिर भी कंपनी की बिक्री बढ़ाने की योजना और लगातार विस्तार को देखते हुए बाय रेटिंग बरकरार रखी है।नुवामा ने जेके सीमेंट पर 7,034 रुपए का टारगेट प्राइस रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की ग्रे सीमेंट बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। मार्च तिमाही में बिक्री 14 फीसदी बढ़ी, जबकि पूरे साल में यह ग्रोथ 17 फीसदी रही।

वैभव सूर्यवंशी ने खेली ऐतिहासिक पारी, क्रिस गेल का एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 के एलिमिनेटर मुकाले में सनराइजर्स हैदराबाद ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सूर्यवंशी ने 60 छक्कों के साथ गेल को पीछे छोड़ा और अब IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के हो गए हैं। गेल ने 2012 में यह रिकॉर्ड बनाया था जो 14 सालों के बाद टूटा है।

सूर्यवंशी ने 29 गेंदों पर 97 रन की शानदार इनिंग खेलते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। गेल ने 2012 में IPL में 59 छक्के लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में आंद्रे रसेल का नाम भी है जिन्होंने 2019 में 52 छक्के लगाए थे। लिस्ट में चौथे नम्बर पर एक बार फिर गेल हैं जिन्होंने 2013 में IPL के एक सीजन में 51 छक्के लगाए थे। लिस्ट में पांचवें खिलाड़ी जोस बटलर हैं जिन्होंने 2022 में 45 छक्के लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज़्यादा छक्के

60* - वैभव सूर्यवंशी (2026)
59 - क्रिस गेल (2012)
52 - आंद्रे रसेल (2019)
51 - क्रिस गेल (2013)
45 - जोस बटलर (2022)

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने 16 मैचों की 16 इनिंग्स में 704 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका हाइएस्ट 103 रहा है। उन्होंने 45.33 की औसत और 242.85 की स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल है। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के केसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसके के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

सुमित अंतिल ने इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

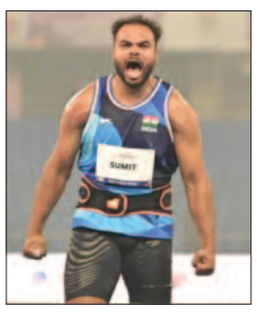

बेंगलुरु । स्टार भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 27 वर्षीय अंतिल ने भाले को 74.82 मीटर की दूरी तक फेंका जो उनके 73.29 मीटर के पिछले विश्व रिकॉर्ड से अधिक है। यह रिकॉर्ड उन्होंने 2022 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। अंतिल पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं और उन्होंने निकट भविष्य में 80 मीटर का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने 2020 और 2024 के पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और 2023, 2024 और 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया है। उन्होंने चीन के हांगझोऊ में हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ64 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है और जो कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है। वर्ष 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोइं विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे।

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

पेरिस । यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7 (6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6 (3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रुसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रही है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्सः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्सः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

आरसीबी ने जीत से दिखाया कि नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है :कुंबले

धर्मशाला (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर 1 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रनों की जीत के साथ आईपीएल के फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने RCB की शानदार जीत का विश्लेषण किया और रजत पाटीदार की बेहतरीन कप्तानी पर बात की।

कुंबले ने RCB की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा, 'टॉस हारने के बाद RCB ने बोर्ड पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। किसी भी मैच में इतने रन बनाना मुश्किल होता है, लेकिन प्लेऑफ में ऐसा करना असली हिम्मत दिखाता है। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों को फिर भी मैदान पर उतरकर अपना काम करना था। उन्होंने यह काम शानदार ढंग से किया, जिसमें रजत पाटीदार ने आगे बढ़कर कप्तानी की और विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छा योगदान दिया।'

कुंबले ने कहा, 'जब RCB गेंदबाजी करने उतरी, तो उन्होंने GT के ओपनर्स को जमने नहीं दिया। उन्होंने कसी हुई लाइन पर गेंदबाजी की, दबाव बनाए रखा, और साई सुदर्शन के दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने से उन्हें शुरुआती सफलता मिल गई। उस विकेट ने जीत के दरवाज़े खोल दिए। वहां से RCB के गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। यह शुरू से लेकर अंत तक एक बेहतरीन प्रदर्शन था। गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग - उस रात RCBके लिए सब कुछ एकदम सही रहा। वे सिर्फ जीते ही नहीं; उन्होंने एक बयान दिया है। नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है।'

रजत पाटीदार की पारी और कप्तानी पर कुंबले ने कहा, 'एक खिलाड़ी अपने साथियों का सम्मान तब कमाता है, जब वह बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। रजत पाटीदार ने ठीक यही किया है। यह पहला क्वालिफायर आरसीबी के लिए बहुत बड़ा मैच था। पहला क्वालिफायर जीतकर सीधे फाइनल में पहुँचने से आपको बहुत बड़ा फायदा मिलता है। तीन या चार दिन का आराम खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने का मौका देता है।'

उन्होंने कहा, 'पहला क्वालिफायर जीतने का यही एक बड़ा फायदा है। रजत ने कप्तान के तौर पर शानदार काम किया है। लेकिन RCB की जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। हर मैच में, कोई नया खिलाड़ी 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीतता है। पिछले सीजन में जब उन्होंने खिताब जीता था, तब भी ठीक यही हुआ था। जब हर कोई अपना योगदान देता है, तो आप एक चैंपियन टीम बन जाते हैं। जीटी के खिलाफ इस मैच में, हर गेंदबाज ने विकेट लिए। किसी एक या दो खिलाड़ियों पर ही पूरी तरह निर्भरता नहीं थी। बल्लेबाजी जोरदार रही, गेंदबाज़ी अनुशासित थी, और फील्डिंग भी चुस्त थी। यह उस टीम की पहचान है, जो बड़े मैच जीतना जानती है।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु — ये यो मा मी मू धा फा ढा मे

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3902

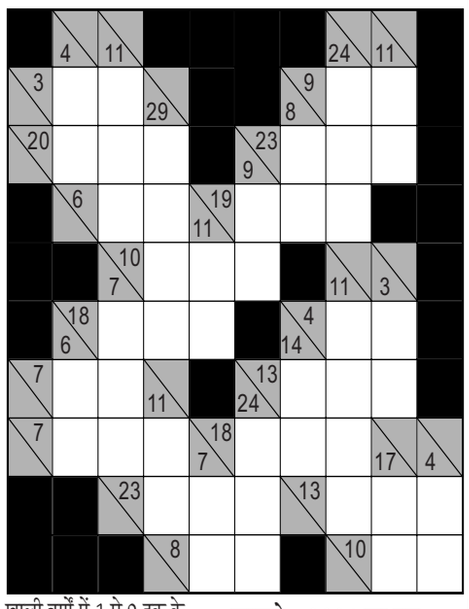

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

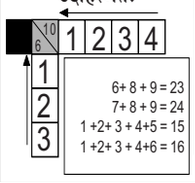

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3901 का हल

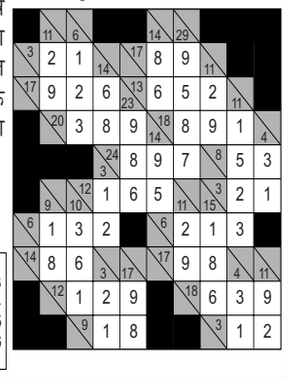

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3902

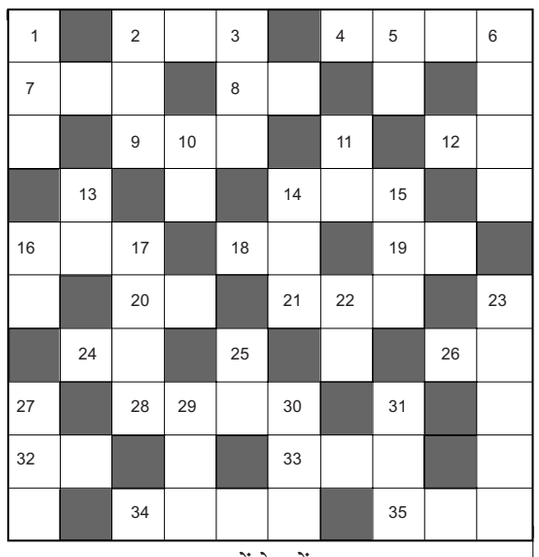

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी ?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका ?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है ?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे ?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. खन्ना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी ?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3901

रि	फ्यू	जी		बे	मि	सा	ल		क
शि		न	म्र	ता		या		फ	र्ज
ता	क	त		बी	ना		सु	र	
	र्त		श्र		स्ति			दी	पा
दि	व्य	श्र	क्ति		क	न्या	दा	न	
ल		रा		रो		ग			ई
से	ह	रा		श्र	मीं	ली		घा	त
	थि		स	नी		ला	रा		का
द	या	वा	न		पाँ		जा	लि	म
स	र		म	न	च	ली		सा	

सूडोकु -3902

			4		6			
					2	7		
2	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	1
		2	1			3	4	9
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3901 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली -3902

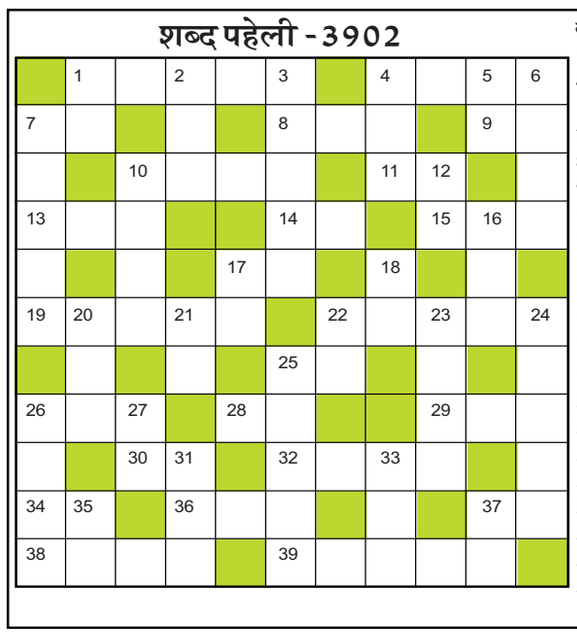

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूर्ण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -3901 का हल

	ब	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	ब	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

कान से मवाद बहने को अक्सर लोग गंभीरता से नहीं लेते और घरेलू उपचार को ही तरजीह देते हैं, लेकिन लापरवाही सुनने की शक्ति खत्म कर सकती है...

कान में मवाद बहने के कारण कई बार सुनने की ताकत भी कम हो जाती है। कान से मवाद बहने के कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। सर्दी-जुकाम का इंफैक्शन बढ़कर कान तक पहुंच जाता है और तेज दर्द के बाद कान बहना शुरू हो जाता है। यह आमतौर पर छोटे बच्चों में होता है। कई बार मवाद के कारण कान के पर्दे में बना छेद बंद भी हो जाता है।

मिथ

आमतौर पर लोग मानते हैं कि कान से मवाद आना खतरनाक नहीं होता। दादी-नानी के नुस्खों में कान बहने, कान दर्द करने या कान में वैक्स होने पर लहसुन का तेल डालना आम उपाय है। लेकिन तेल डालने से कान के भीतर मौजूद फायदेमंद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं, जबकि फफूंद और ज्यादा पनपने लगती है। फफूंद पूरी तरह साफ किए बगैर कान के ड्रॉप भी असरकारक सिद्ध नहीं होते। इसलिए कान की सफाई बहुत जरूरी है।

खतरनाक हो सकता है

कान में फंगस होने के कारण कान से मवाद आ सकता है। यह बारिश के मौसम में या डायबिटीज के मरीजों में ज्यादा होता है। कान की हड्डी गलने के कारण दुर्गंधयुक्त मवाद आता है। यदि इलाज के बाद भी कान सूखता नहीं है, तो यह बीमारी खतरनाक हो सकती है, क्योंकि हड्डी के गलने से इंफैक्शन दिमाग में फैलने का खतरा रहता है। कान का इंफैक्शन दिमाग में पहुंचने पर जान को खतरा तो बढ़ता ही है, ऑपरेशन भी ज्यादा जटिल हो जाता है और इलाज का खर्च भी कई गुना बढ़ जाता है।

डॉक्टर की सलाह

कान से मवाद बहने संबंधी बीमारियों का सफलतापूर्ण इलाज लगभग हर मरीज में संभव है। कान के पर्दे के छेद को ऑपरेशन द्वारा 90 फीसदी से ज्यादा मरीजों में सफलतापूर्वक बंद किया जा सकता है।

...जब पकाएं भोजन

तंदुरुस्ती के लिए पौष्टिक व संतुलित भोजन जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है भोजन को दूषित होने से बचाना। इसलिए भोजन पकाते समय इन बातों का ध्यान रखें:

- किचन में मक्खियों, कॉक्रोचों, चूहों व कीड़े-मकौड़ों के माध्यम से भी जीवाणु फैलते हैं। इन्हें खत्म करने के पुख्ता इंतजाम करें।
- बर्तन, कटलरी और भोजन पकाने वाली सतह साफ होनी चाहिए और इन्हें साफ करने के लिए इस्तेमाल होने वाला कपड़ा भी रोजाना अच्छी तरह धोएं और धूप में सुखाएं।
- विभिन्न भोजन पकाने के लिए एक ही बर्तन का प्रयोग धोए बगैर न करें।
- फलों व सब्जियों को साफ पानी से अच्छी तरह धोएं। पैस्टीसाइड्स व हर्बीसाइड्स जैसे कैमिकल्स दिखाई तो नहीं देते, पर बहुत हानिकारक होते हैं।
- खाना पकाने से पहले और बाद में साबुन व साफ पानी से हाथ धोएं।
- भोजन पर खांसें या छींकें मत।
- क्रैक बर्तनों का इस्तेमाल न करें।
- कैन खोलने से पहले इसे व ओपनर को धोकर पोंछ लें, ताकि कीटाणु कैन में न चले जाएं।
- यदि भोजन दो घंटे से ज्यादा रखना हो, तो इसे बहुत गर्म या बहुत ठंडा रखना चाहिए और खाने से पहले अच्छी तरह गर्म करना चाहिए।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए

जानी-मानी कोरियोग्राफर और रियलिटी शोज की जज गीता कपूर 6 जून से शुरू होने वाले रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इससे पहले बातचीत के दौरान गीता ने नए सीजन, रियलिटी शोज में आए बदलाव, सोशल मीडिया के असर और स्क्रिप्टेड कंटेंट को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

नए सीजन और पैनल की बात करते हुए गीता कपूर ने नए जज जावेद जाफरी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, 'इस बार पैनल का पूरा माहौल अलग है। चौथे जज के तौर पर जावेद जाफरी जुड़े हैं। उनके पास बहुत अनुभव है। डांस और फिल्ममेकिंग की गहरी समझ है। खास बात ये भी है कि मैं उनके साथ लगभग 35 साल पहले काम कर चुकी हूं, इसलिए उनके साथ बैठना भी अपने आप में नया अनुभव है।' शो में इस बार क्या अलग होने वाला है? इस पर गीता ने कहा, 'इस बार शो में बहुत ज्यादा रीमिक्स गाने नहीं होंगे। आप गानों को लगभग उनके असली रूप में सुनेंगे। पहले बॉलीवुड डांस में वेस्टर्न स्टाइल का तड़का लगाया जाता था, लेकिन इस बार बॉलीवुड डांस अपने असली अंदाज में नजर आएगा।'

नई पीढ़ी और इंडियन कल्चर पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने साल तक हमने दुनिया भर से इंस्पिरेशन लेकर बॉलीवुड गानों पर अलग-अलग डांस स्टाइल्स दिखाए। लेकिन कहीं न कहीं हम भूल गए कि हमारी अपनी संस्कृति और हमारे गानों में भी कितनी खूबसूरती है। आज की नई पीढ़ी बाहर की चीजों से बहुत प्रभावित है, इसलिए यह जरूरी है कि वे अपनी जड़ों और अपनी कल्चर से भी जुड़ी रहें।'

लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है

रियलिटी शोज में आए बदलावों पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'सोशल मीडिया का असर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है। कुछ देखते ही लोग कह देते हैं कि ये तो देख लिया या अब बोर हो गए, कुछ और देखते हैं। पहले तीन-चार मिनट की परफॉर्मेंस लोगों को बांधकर रखती थी, लेकिन अब ऐसा करना मुश्किल हो गया है।'

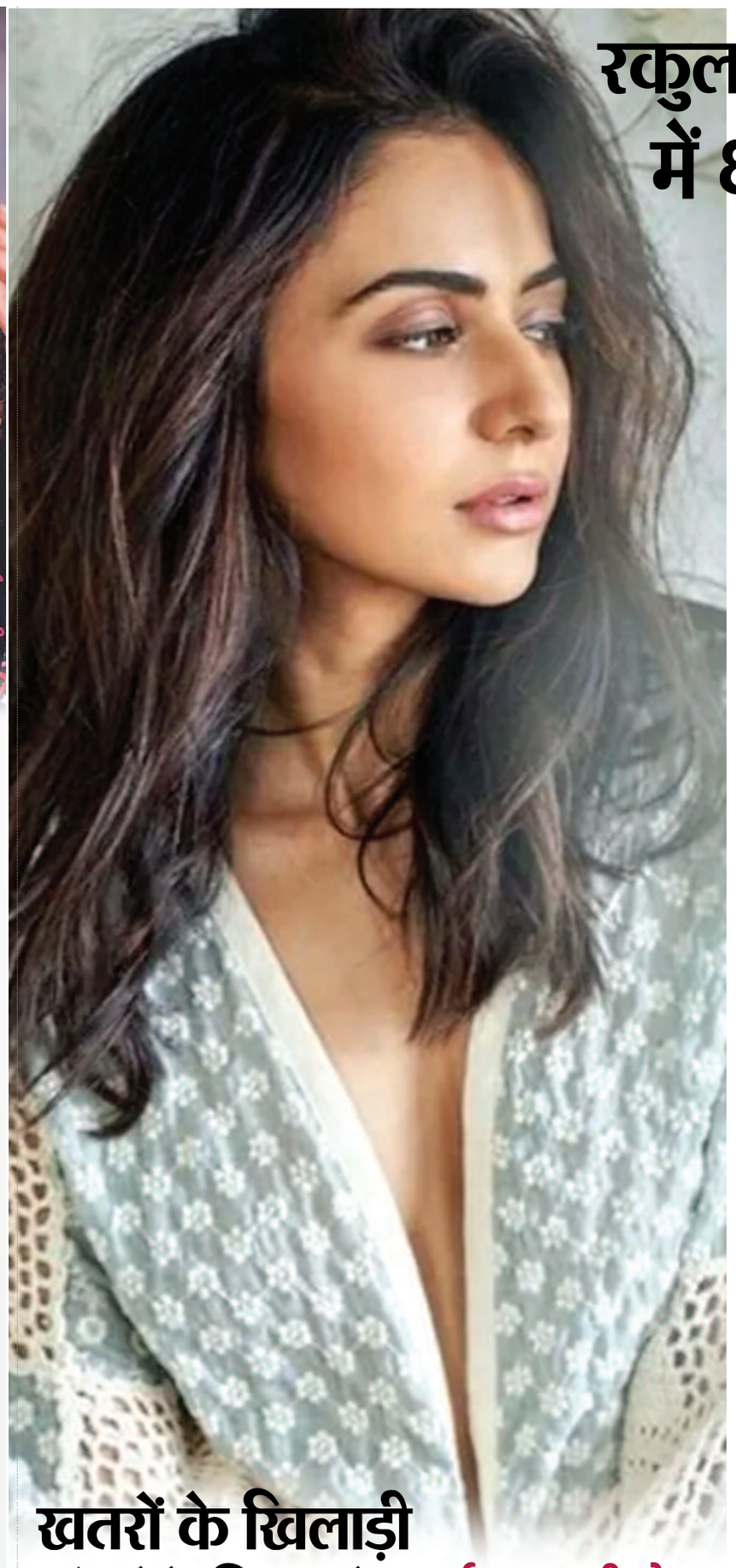

रकुल प्रीत सिंह ने रिश्ते में धोखे पर रखी बात

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अभिनेत्री ने बेवफाई के मुद्दे पर अपनी राय रखी है।

रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, एक्ट्रेस ने माना कि एक बार की गलती को कभी-कभी माफ किया जा सकता है। अभिनेत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब जैकी भगनानी ने अपनी और रकुल प्रीत सिंह की शादी को सिचुएशनशिप बताया था।

रिश्ते में धोखा देना स्वीकार्य नहीं

हाल ही में रकुल प्रीत ने द बॉम्बे जर्नी के साथ बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना कभी स्वीकार्य हो सकता है, तो रकुल ने तुरंत नहीं में जवाब दिया।

बेवफाई पर बोली रकुल

इसके बाद, रकुल प्रीत ने कहा, 'यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि गलती कितनी बड़ी है। गलती की हद क्या है? रकुल ने आगे कहा 'अगर किसी से एक बार गलती हो जाती है, तो जिंदगी इतनी लंबी है कि एक गलती के लिए किसी को माफ न करना सही नहीं है। कृपया ध्यान दें। यह बात मेरे निजी रिश्ते पर लागू नहीं होती।' रकुल ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई माफ करता है, तो उसे आखिरकार उस गलती को भूलना ही पड़ता है।

जैकी भगनानी ने दिया था बयान

यह सब तब हुआ, जब कुछ दिन पहले ही रकुल और उनके पति जैकी भगनानी की निजी जिंदगी चर्चा का विषय बन गई थी। इसकी वजह जैकी का अपनी शादी को लेकर दिया गया सिचुएशनशिप वाला बयान था। बातचीत में जैकी ने कहा रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। इसीलिए तो हमने शादी की है। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात कर सकता हूं।' रकुल ने शेयर किया वीडियो जैकी के इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई लोगों ने इस बयान को गलत समझ लिया। बाद में रकुल ने एक मजाकिया वीडियो के जरिए इस मामले पर बात की। वीडियो में उन्होंने जैकी से कान पकड़वाए और मजाक में कहा, 'इसे कितनी बार बोला है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी बनने की कोई जरूरत नहीं है! बोला था ना?' जैकी उनके बगल में खड़े कान पकड़े हुए नजर आए। फिर वह मुस्कुराए और 'सॉरी' कहा।

खतरों के खिलाड़ी 15 डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा

सोशल मीडिया पर छाए रहने वाले ओरी अब रियलिटी टीवी शो की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। ओरी, रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में नजर आएंगे। उन्होंने मजाक में कि यह उनका डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा। बातचीत में ओरी ने खुलकर अपनी तैयारियों और भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने साफ कहा कि यह उनका पहला वास्तविक रियलिटी शो अनुभव होगा। ओरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं एक 'रियलिटी शो वर्जिन' हूं। यह मेरा डेब्यू भी होगा और मेरा रिटायरमेंट भी।' उन्होंने बताया कि वह पहले बिग बॉस में सिर्फ एक दिन के लिए गए थे, इसलिए उसे वह रियलिटी शो का वास्तविक अनुभव नहीं मानते। ओरी ने अपनी तैयारी को लेकर एक दिलचस्प और चौंकाने वाला खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि शो की तैयारी के तौर पर उन्होंने 'बिकनी वैक्स' भी करवाया है। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं इसके लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं पैदाइशी ही ऐसा हूं। मैं इतना उत्साहित हूं कि मैंने बिकनी वैक्स भी करवा लिया। आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरा उत्साह कितना है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह दर्द सहन करने की उनकी परीक्षा थी, तो ओरी ने जवाब दिया, 'हां, यह इस बात की परीक्षा थी कि मैं कितना दर्द सहन कर सकता हूं। अब मुझे लगता है कि बिजली के झटकों से भी मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर कोई स्विमिंग टास्क आया तो मैं आसानी से तैर लूंगा।' ओरी ने आगे कहा कि बहुत से लोग इस शो में अपने डर पर काबू पाने के लिए आते हैं, लेकिन उनके लिए यह शो यह जानने का मौका है कि क्या अब भी उन्हें किसी चीज से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी पहले ही काफी थकाने वाली रही है। अब यह शो बताएगा कि मेरे अंदर अभी भी कोई डर बचा है या नहीं। असली जवाब तो शो में ही मिलेगा।'

खतरों के खिलाड़ी शो मेरे दिल के बहुत करीब है

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है। बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है।

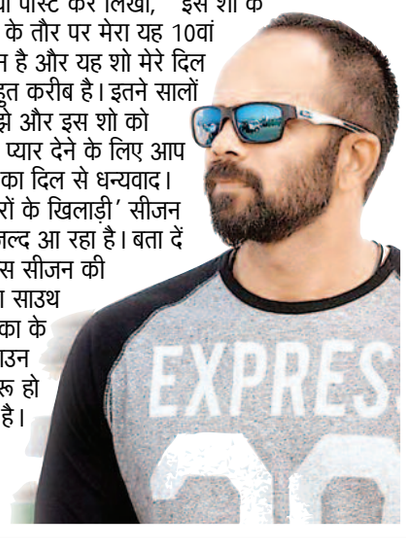

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं। 'अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।'' क्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से।

ऊपरवाला देता है तो छप्पर फाड़कर देता है

'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके विनीत कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया- वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी।

आग में तपकर ही सोना कुंदन बनता है। एक जमाने में विनीत कुमार ने चाहे जितना भी संघर्ष किया हो, मगर आज उन्हें अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा का फल मिल रहा है। बीता साल उनके लिए बहुत ही मुफीद रहा। पिछले साल उनकी 8 फिल्में रिलीज हुईं और उन फिल्मों में 'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में उन्हें खूब तारीफ भी मिली। इस साल वे चर्चा में हैं 'हैलो बच्चों' और 'मटका किंग' से।

विनीत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग कर रहे हैं। सभी जानते हैं कि गर्मी ने पूरे देशभर में हाहाकार मचा कर रखा हुआ है और ग्वालियर में भी खूब पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में विनीत हीट को बीट करने के तमाम तरीके अपना रहे हैं।

वे कहते हैं, 'गर्मी के मारे तो हमारा बुरा हाल है। हाल ही में तापमान 44 डिग्री था, ऐसे में शूटिंग करना आसान नहीं होता। हां, बीच में एक दिन ईश्वर की कृपा से बारिश हो गई थी और कुछ ठंडक भी, मगर फिर वही गर्मी का प्रकोप। यहां सुबह और शाम अच्छी होती है, मगर दोपहर तो आग ही उगलती है। ऐसे में मैं देसी उपाय करता हूं। सत्तू को पानी में मिलाकर उसमें जीरा और नमक डाल कर उसे पीने से बॉडी में ठंडक बनी रहती है। दूसरा घरेलू उपाय है सब्जा। यह भी काफी फायदेमंद है। इसे पानी में भिगोकर रखने के बाद साथ में कैरी किया जा सकता है। ये दो-तीन घंटे तक चलता है। ये सारे नुस्खे मैं ही नहीं बल्कि मेरा स्टाफ भी आजमाता है। जाहिर-सी बात है कि मेरी टीम ही है, जो मेरे लिए इतनी भागदौड़ करती है।' शूटिंग के दौरान होने वाली भयंकर गर्मी का एक किस्सा याद करते हुए वे कहते हैं, 'हम लोग बनारस में मुक्केबाज की शूटिंग कर रहे थे गर्मी के मौसम में टेम्प्रेचर 47 डिग्री शूटिंग की बड़ी-बड़ी हैवी लाइट्स, मैं बॉक्सिंग रिंग में दस-दस घंटे फाइट्स लड़ता था। एक दिन तो मैं एक ऐसी फाइट लड़ रहा था, जो डिजाइन नहीं थी। वो रियल फाइट थी और मैं कह सकता हूं कि वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी। उस दिन मैंने 5 फाइट्स लड़ी थीं। आज जब भी किसी मुश्किल वेदर कंडीशन में काम करता हूं,तो खुद को मुक्केबाज की शूटिंग की याद दिलाता हूं। उससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

बेटे के लिए दुनिया को बेहतर बनाना है

अपने फादरहुड के अहसास के बारे में वे कहते हैं, 'जब मैं पिता बना, तो मुझे अहसास हुआ कि हमारे माता-पिता ने हमारे लिए कितनी कुर्बानियां दी होंगी, अपनी कितनी ही रातों की नींद खराब की होगी। हर आवाज पर अलर्ट रहना पड़ा होगा। हालांकि मुझे पता हमेशा से था, मगर अहसास अब हुआ। अब लगता है कि दुनिया बेहतर होनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मेरा बेटा उसी दुनिया में पलने वाला है। हालांकि वो अभी काफी छोटा है।'

मेरे रोल को धुरंधर का बड़ा साब कहा जा रहा है

वर्क फ्रंट पर तो विनीत कुछ ज्यादा ही मसरूफ हैं। वे कहते हैं, 'अभी मैं मध्य प्रदेश में फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग कर रहा हूं। कहानी और किरदार के बारे में अभी ज्यादा नहीं बता पाऊंगा। मगर इतना जरूर कहूंगा कि छावा के बाद प्रॉडक्शन हाउस के साथ यह मेरा दूसरा काम है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार हैं, और उनके साथ काम करने में बहुत मजा आ रहा है। हम लोग ग्वालियर और उसके आसपास की रियल लोकेशन्स पर शूट कर रहे हैं। काफी इंटीरियर्स में जाकर शूट हो रहा है, जिससे फिल्म में एक ऑथेंटिक फील आएगी।' हाल ही में विनीत वेब सीरीज मटका किंग में डॉन दाऊद के छोटे -से अपीयरेंस में भी सराहे गए। चर्चा है कि 'मटका किंग पार्ट 2' में उनका काफी लंबा-चौड़ा रोल है। वे कहते हैं, 'आगे का मैं कुछ खुलासा नहीं कर सकता, मगर हां इस सीरीज में मेरी भूमिका के बाद लोग मेरे रोल की तुलना 'धुरंधर' के बड़ा साब से जरूर करने लगे हैं। मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि इस सीरीज से पहले मैं हैलो बच्चों में एक टीचर की भूमिका की थी।'

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

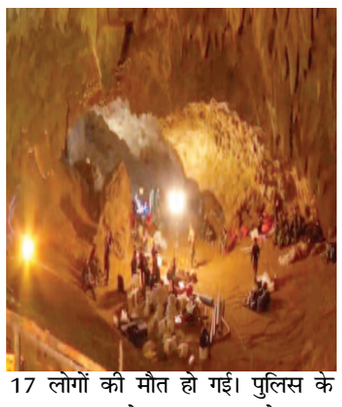

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

पाकिस्तान: दो बसें आपस में टकराई, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्परेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)